26 अक्टूबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी व रोजगार : नीतीश कुमार

3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

यमुना नदी का पानी साफ नहीं, सीएम पीकर दिखायें : सौरभ

- भाजपा राजनीतिक फायदे के लिए पूर्वांचलियों की जिंदगी से खेल रही है



एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने छठ पूजा से पहले शनिवार को यमुना के प्रदूषण स्तर को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला तेज करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को यमुना का पानी पीने की चुनौती दी। पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वह यमुना नदी का पानी पीकर अपने दावों को साबित करें कि यमुना साफ हो गई है। इस आरोप पर दिल्ली सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। भारद्वाज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यमुना नदी के पानी में सीवेज डाला जा रहा है और भाजपा सरकार के तहत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट से इसकी पुष्टि हुई है। पूर्वांचल समुदाय के लाखों लोग भाजपा नेताओं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के झूठ तथा धोखे का शिकार होंगे। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के लोगों को पूर्वांचली कहा जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सत्ता में रहते हुए यमुना को साफ करने की आप की योजनाओं में बाधा डाली थी। भारद्वाज ने कहा कि हमारी सरकार ने यमुना जी को साफ करने की योजना बनाई थी लेकिन भाजपा के उपराज्यपाल ने इसमें हर तरह की बाधाएं खड़ी कीं। अगर रेखा गुप्ता दावा करती हैं कि नदी का पानी साफ है तो उन्हें इसका पानी पीकर दिखाना चाहिए।

पूर्वांचलियों की जिंदगी से खिलवाड़ करने का आरोप

संवाददाता सम्मेलन के दौरान आप नेता सौरभ भारद्वाज के साथ मौजूद आप नेता और बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने भी आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक फायदे के लिए पूर्वांचलियों की जिंदगी से खेल रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहते हुए भाजपा राजनीतिक फायदे के लिए पूर्वांचल समुदाय के लोगों की जिंदगी से खेल रही है। भाजपा हमेशा से पूर्वांचलियों से नफरत करती रही है और इस बार वह उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही है। सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की 23 अक्टूबर की एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया था कि यमुना का पानी नहाने लायक भी नहीं है। और इसमें खतरनाक मात्रा में मानव अपशिष्ट मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार ने एक हफ्ते के लिए पूर्वी यमुना नहर से पानी का रुख मोड़ दिया था जिससे प्रदूषण का स्तर और बिगड़ने की आशंका थी। दिन में बाद में, आप के कई नेता यमुना जल की बोतलें लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और गुप्ता को इसे पीने की चुनौती दोहराई। पार्टी ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यमुख्यमंत्री महोदया, यमुना का तथाकथित स्वच्छ जल पीजिए। वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश सिंह यादव ने भी यमुना की गंदगी पर मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि यमुना के झाग हटाने के लिए केमिकल का उपयोग किया जा रहा है। उससे मनुष्य के स्वास्थ्य हानिकारक होगा। उससे कई तरह की बीमारियां उत्पन्न होगी।

प्रतिबंध के बावजूद अहमदाबाद में चल रही थी शराब पार्टी, 13 अफ्रीकियों समेत 20 गिरफ्तार

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस पर शराब पार्टी करने पर 13 अफ्रीकियों समेत 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह पार्टी गुजरात के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अफ्रीकी विद्यार्थियों के सम्मेलन के नाम पर आयोजित की गई थी जबकि राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शिलाज क्षेत्र में स्थित फार्महाउस पर शुक्रवार देर रात छापा मारा गया तो कार्यक्रम स्थल पर मौजूद करीब 70 लोगों में 13 अफ्रीकियों समेत 15 लोग नशे में पाए गए जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अहमदाबाद (ग्रामीण) एसपी ओमप्रकाश जाट ने बताया कि दो शराब तस्करों अनंत कपिल और आशीष जडेजा और फार्महाउस मालिक मिलन पटेल समेत पांच अन्य लोगों को शनिवार तड़के गिरफ्तार किया गया, जिससे इस मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या 20 हो गई। जाट ने बताया कि शराब की उपलब्धता के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिसकर्मियों ने पास खरीदे और सामान्य कपड़ों में अतिथि के तौर पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। छापे के दौरान पुलिस ने भारत में बनी विदेशी शराब की 51 बोतलें और 15 हुक्का बरामद किए, जो गुजरात में प्रतिबंधित हैं। इस दौरान कोई अन्य नशीला पदार्थ नहीं मिला। पकड़े गए अफ्रीकी नागरिक गुजरात विश्वविद्यालय समेत राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, ज्यादातर विदेशी विद्यार्थी केन्या के हैं जबकि कुछ कोमोरोस, मेडागास्कर और मोजाम्बिक के भी हैं। उन्होंने बताया, यह पार्टी अफ्रीकी विद्यार्थियों के लिए थी और इसका आयोजन एक केन्याई छात्र ने किया था।

पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है

एनडीए पांडवों की तरह एकजुट होकर चुनाव लड़ रहा है : शाह



एजेंसी। मुंगेर

बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार तेज हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को खगड़िया के बाद मुंगेर पहुंचे, जहां उन्होंने चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने इस रैली को संबोधित करते हुए जहां एनडीए सरकार के विकास कार्यों की तारीफ की तो वहीं विपक्ष पर निशाना साधा। बिहार चुनाव में एनडीए के पांच दल पांच पांडवों की तरह एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर लठमार हो गई। अमित शाह ने कहा कि बिहार चुनाव में एक तरफ एनडीए के पांच दल पांच पांडवों की तरह एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर लठमार हो गई। उन्होंने कहा कि इनका न नेता है, न नीयत है और न नेतृत्व है। उन्होंने उपस्थित लोगों को सचेत करते हुए कहा कि बिहार चुनाव यह निर्णय करने वाला है कि फिर से बिहार में जंगलराज आएगा या एनडीए के नेतृत्व में फिर से विकास का राज आएगा।

सीतामढ़ी में बनेगा भव्य जानकी मंदिर

केंद्रीय गृह मंत्री ने मुंगेर के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह इलाका भी रामायण सर्किट से जुड़ने वाला है। एनडीए सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन गया है और अब सीतामढ़ी में भी भव्य जानकी मंदिर बनने की शुरूआत हो गई है। उन्होंने मुंगेर के सीता कुंड के विकास करने का वादा करते हुए कई विकास कार्यों की भी चर्चा की। हाल ही में एनडीए सरकार ने एक करोड़ जीविका दीदी के बैंक अकाउंट में 10-10 हजार रुपए जमा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में एनडीए सरकार ने एक करोड़ जीविका दीदी के बैंक अकाउंट में 10-10 हजार रुपए जमा करने का काम किया। विधवा और वृद्धा पेंशन 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए की गई, और आशा बहनों का मानदेय 3,000 रुपए किया गया। इसी तरह बहुत सारे काम एनडीए सरकार ने बिहार के विकास के लिए किए हैं। अब पटना में मेट्रो का सपना साकार हो रहा है। एनडीए को जहां बिहार के लोगों की चिंता है, वहीं लालू यादव को अपने बेटे को सीएम और सोनिया गांधी को अपने बेटे को पीएम बनाने की चिंता है। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर राजद पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एनडीए को जहां बिहार के लोगों की चिंता है, वहीं लालू यादव को अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया गांधी को अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाने की चिंता है। इस दौरान उन्होंने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल की भी चर्चा की।

बिहार विकास के रास्ते पर है आगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंच से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बिहार में आज शिक्षा का बजट 18 गुना बढ़ा है, जबकि शिक्षकों की संख्या दो लाख से बढ़कर छह लाख हो गई है, और इंजीनियरिंग की सीटें 36 गुना बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों में भी वृद्धि हुई है।



सबरीमला मंदिर से गायब सोना करोड़पति के घर से बरामद

एजेंसी। तिरूअंनतपुरम

केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने शनिवार (25 अक्टूबर, 2025) को दावा किया कि सबरीमला मंदिर से गायब हुआ सोना एक करोड़पति व्यापारी के घर से बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि यह घटना कांग्रेस के उस आरोप को मजबूती प्रदान करती है कि सोना एक धनी व्यक्ति को बेचा गया था। सतीशन विशेष जांच दल की ओर से कर्नाटक के व्यापारी गोवर्धन के स्वामित्व वाली एक आभूषण की दुकान से बरामद सोने के बिस्कुटों का जिक्र कर रहे थे। बताया जाता है कि गोवर्धन ने श्रीकोविल (गर्भगृह) की चैखट पर सोने की परत चढ़ाने के लिए धन दिया था। इस कार्य को आधिकारिक तौर पर बेंगलुरु के व्यवसायी उन्नीकृष्णन पोट्टी की ओर से प्रायोजित किया गया था।

एसआईटी की जांच में विपक्ष के दावे सही

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि इसलिए, हम सही थे, जब हमने कहा था कि सोना एक करोड़पति को बेचा गया। विपक्ष ने सोने के गायब होने के मुद्दे पर जो कुछ भी कहा, वह अब तक सही साबित हुआ है। उन्होंने वर्तमान त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड पर अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि बोर्ड ने तथ्यों को छुपाया है और द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने का काम पोट्टी को सौंपा है। सतीशन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केरल हाई कोर्ट में हुई सुनवाई में यह सब सामने आ गया है। एसआईटी की जांच से भी साबित हो गया है कि विपक्ष के दावे सही थे. इसलिए हम मांग कर रहे हैं कि मौजूदा देवस्वओम मंत्री वी एन वासवन को इस्तीफा दे देना चाहिए।

कोयंबटूर में कार हादसे में चार लोगों की मौत

एजेंसी। कोयंबटूर

कोयंबटूर के पेरुर चेट्टिपलायम के पास कार पेड़ से टकरा गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला कि ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और कार पेड़ से टकरा गई। मृतक सभी 19 से 25 साल के बीच के थे। घायल व्यक्ति को कोयंबटूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया है। शवों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोयंबटूर के चेट्टीपलायम के पास सिरुवानी रोड पर एक तेज रफ्तार कार का कंट्रोल बिगड़ गया और वह एक इमली के पेड़ से टकरा गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में ईटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती कराया गया है। कोयंबटूर के पेरूर के पास चेट्टीपलायम इलाके में भ्च पेट्रोल पंप के पास एक टाटा अल्ट्रास कार तेज रफ्तार से जा रही थी, तभी अचानक उसका कंट्रोल बिगड़ गया और वह सड़क किनारे एक इमली के पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक और व्यक्ति को गंभीर चोटों के साथ बचाया गया और उसे बेहोशी की हालत में कोयंबटूर सरकारी अस्पताल के ईटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती कराया गया है।

तूफानी हवाओं के साथ गरज चमक की संभावना

आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान की चेतावनी, तमिलनाडु और बंगाल-ओडिशा भी होंगे प्रभावित

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कुछ राज्यों में बारिश और मौसम बदलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र तेज होकर गहरे दबाव, फिर चक्रवात और आखिर में गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार यह तूफान 28 अक्तूबर की शाम या रात को माचिलीपट्टनम और कलिंगापट्टनम के बीच काकिनाडा के पास आंध्र प्रदेश तट को पार कर सकता है। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी एक बुलेटिन के अनुसार, यह दबाव क्षेत्र लगभग पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ सकता है, 26 अक्तूबर तक एक गहरे दबाव क्षेत्र में तब्दील हो सकता है और 27 अक्तूबर तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है।



अगले 24 घंटों के दौरान बारिश और बिजली गिरने की संभावना

चेन्नई और आसपास के इलाकों में मौसम बादल वाला रहेगा और हल्की से मध्यम बारिश की एक-दो बार संभावना है। ऊटी (तिरुनेलवेली) में पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा 14 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि तिरुपुवणम (शिवगंगा) में सबसे कम 1 सेमी बारिश हुई। अगले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्र में एक-दो स्थानों पर गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

छठ महापर्व, व्रतियों ने नहाय-खाय के साथ शुरू किया अनुष्ठान, खरना आज

■ **महापर्व को लेकर चकाचक होने लगे छठ घाट, 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत करती है व्रती महिलाएं**



केटी न्यूज/डुमरांव

लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व का श्रीगणेश शनिवार को हो गया। इसी के साथ फिजा में सुन ल अरजिया हमार, हे छठी मैया... जैसे पारंपरिक छठ गीत भी गूंजने लगे हैं। सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ का अनुष्ठान नहाय-खाय से हुआ। पहले दिन छठ व्रती स्नान कर पूरी स्वच्छता के साथ परंपरागत तरीके से प्रसाद बनाकर भगवान सूर्य को अर्पित कर सगे-संबंधियों के साथ खुद भी ग्रहण किये। व्रती दूसरे दिन रविवार को खरना का व्रत रखेंगे। खरना में पूरे दिन उपवास रखकर शाम को खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू करेंगे। सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा, जबकि मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पारण के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन किया जाएगा। वहीं स्नान के बाद घर लौटी महिला व्रती छठी मइया के पारंपरिक गीतों के बीच नहाय-खाय का प्रसाद पकायी। महिला व्रतियों ने अरवा चावल, चना की दाल व लौकी की सब्जी का प्रसाद बनायी। फिर विधि-विधान के साथ भगवान सूर्य की पूजा कर प्रसाद ग्रहण की और सगे- संबंधियों को भी खिलायी। छठ व्रत के दूसरे दिन खरना व्रत रखा जायेगा। मिट्टी के चूल्हे पर चावल, दूध व गुड़ मिश्रित खीर तथा गेहूं के आटा से रोटी का प्रसाद बनाकर ग्रहण करेंगे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठ व्रत के अनुष्ठान से छठी माता प्रसन्न होती हैं और आरोग्यता व मान-सम्मान के देवता भगवान सूर्य की कृपा प्राप्त होती है। जिससे व्रतियों का परिवार सुख, शांति व धन-धान्य से परिपूर्ण होता है और संतान दीर्घायु होते हैं। आचार्यों के मुताबिक सूर्य देव की प्रिय तिथि पर उनकी उपासना से अभीष्ट फल की प्राप्ति होती है। छठ पूजा को लेकर नया सामानों के तहत सूपला एवं दउरा भी नया उपयोग में लाया जाता है। जिसके कारण लगभग हर छठ व्रती सूपला एवं दउरा की खरीददारी करते है। स्थानीय स्तर पर बाजार में मुंगेर से आया सूपला एवं दउरा का बाजार गर्म है। सस्ता होने के कारण उसका बिक्री ज्यादा हो रही है। वहीं स्थानीय स्तर पर बने सुपला एवं दउरा महंगा होने के कारण स्थानीय कारीगरों के चेहरे पर उदासी कायम है। वहीं जिले में बाहर से पहुंचे सूपला एवं दउरा अपेक्षाकृत सस्ता है। बाजार में बाहर से पहुंचा सूपला 50 रुपये एवं दउरा 120 से 150 रुपए में मिल रहा हैं। जबकि स्थानीय स्तर पर बने सुपला 70 रुपये एवं दउरा 200 रुपए में मिल रहा है।

प्रधानमंत्री पर रील बनाओ, रोजगार भूल जाओ की राजनीति का आरोप, कहा नीतीश का 10 हजार महज कर्जदार बनाने की स्कीम

बदलाव की आंधी उठी है बिहार में, शाहाबाद की हर सीट हिलाएगी इंडिया गठबंधन : दीपांकर

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन अब तीखे तेवर के साथ मैदान में उतर चुका है। इसी क्रम में भाकपा (माले) महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने शनिवार को डुमरांव विधानसभा में जमकर चुनावी अभियान चलाया। उन्होंने दावा किया कि इस बार सिर्फ सत्ता बदलनी नहीं है, बल्कि बिहार का भविष्य बदलने की ऐतिहासिक लड़ाई है।उन्होंने कहा कि अब इंडिया गठबंधन पांच नहीं, सात पार्टियों वाला मजबूत मोर्चा है और शाहाबाद की सभी सीटों पर विजय तय है। साथ ही एनडीए सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि बीस सालों से बिहार की गद्दी पर कब्जा किए बैठे वोट चोरों, नौकरी चोरों और जमीन चोरों को जनता सत्ता से बाहर फेंकने वाली है।

रील बनाकर मस्त रहो, बेरोजगारों का अपमान



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर युवा विरोधी रुख का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि नौजवान नौकरी मांगे तो सरकार लाठी देती है, और प्रधानमंत्री कहते हैं डेटा खरीदो और रील बनाओ। इससे बड़ा मजाक और क्या होगा। उन्होंने कहा कि रोजगार का अधिकार छीनकर युवाओं को अग्निवीर व ठेका रोजगार के हवाले कर दिया गया। रेल-बैंक में बिहार का 65 प्रतिशत हिस्सा था, वह भी छीन लिया गया।

महिला योजना नहीं, ह्यमहिला कर्जदार योजनाह्ल

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 10 हजार रुपए वाली योजना पर सीधा कटाक्ष करते हुए दीपांकर ने कहा कि भट्टाचार्य ने कहा कि यह महिला रोजगार योजना नहीं, महिला कर्जदार योजना है। खुद गृह मंत्री कह आए हैं। दीपांकर के अनुसार माइक्रोफाइनेंस कंपनियां महिलाओं को कर्ज के बोझ में और धकेल रही हैं। गठबंधन सरकार बनने पर छोटे कर्जों से पूरी मुक्ति और महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक देने की घोषणा की।

सुशासन नहीं, भ्रष्टाचार-अपराध गठबंधन - दीपंकर

उन्होंने कहा कि बिहार में विकास का मतलब अब फ्लाईओवर-बाईपास और भ्रष्ट अफसरों की मिलीभगत बन गया है। भागलपुर के पीरपैती में अडानी को एक रुपये में 1050 एकड़ जमीन देने को उदाहरण बताते हुए कहा कि यह है एनडीए का असली सुशासन मॉडल।

बिहार में बुलडोजर राज की तैयारी जताई

भाजपा पर हमला कि जल-जंगल-जमीन से लेकर पब्लिक सेक्टर तक सबकुछ कॉरपोरेट के हवाले। यूपी की तरह बिहार में भी बुलडोजर राज थोपने की प्लानिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाकपा (माले) ने अपने विधायकों का रिपोर्ट कार्ड जारी कर जवाबदेही की मिसाल दी है, जबकि भाजपा जवाबदेही से कोसों दूर है। दीपंकर ने साफ ऐलान किया कि नीतीश कुमार अब एनडीए के सीएम चेहरा नहीं है, जबकि इंडिया गठबंधन तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री बना चुका है। उन्होंने कहा कि दलित और मुस्लिम समाज से भी दो डिप्टी सीएम बन सकते हैं।

यूथ बूथ पर जवाब देंगे वोट चोरों को

एसआईआर विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि हमने लड़कर लाखों गरीबों का मताधिकार बचाया है। अब बूथ पर युवा अपनी ताकत दिखाएगा और वोटचोरों-घुसखोरों की सरकार को धूल चटाएगा।

उन्होंने कहा कि 26 अक्टूबर को भाकपा (माले) नेता का. रामनरेश राम की 15वीं बरसी पर एकवारी से सहार तक परिवर्तन संकल्प यात्रा निकालने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम हर हाल में संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा करेंगे।

अजित कुमार सिंह की अपील

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी व विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने डुमरांव के लोगों से रोजगार और सम्मान की लड़ाई के लिए तीन तारा झंडा वाला बटन दबाकर भारी मतों से जिताने की अपील की। डुमरांव में माले और इंडिया गठबंधन ने इस संदेश को बुलंद किया कि ह्यबदलिए सरकार, बदलिए बिहारह्ल और इस बदलाव की बागडोर बिहार का युवा संभालेगा।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

दिव्यांगों को मुख्यमंत्री के जनसभा में नहीं मिली जगह, बहुत देर इंतजार के बाद लौट गए

डुमरांव। केटी न्यूज

नगर के राज हाईस्कूल के खेल मैदान में शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री ने एक चुनावी जन सभा को संबोधित किया। आम और खाश के बैठने के लिये पूरी व्यवस्था थी, वहीं दिव्यांगों की कोई नहीं थी, जिससे मुख्यमंत्री की बातों को सुनने आए दिव्यांग बगैर सुने वापस लौट गए। दिव्यांग संघ के अध्यक्ष अगस्त उपाध्याय ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन को यह समझना चाहिए की सूबे के मुख्यमंत्री आ रहे हैं, ऐसे में उन्हें देखने और सुनने के लिये हर तरह के लोग पहुंचेंगे, जिसमें दिव्यांग होंगे। परंतु उनके लिये कोई व्यवस्था नहीं थी, सभा स्थल पर पहुंचे दिव्यांगों ने वहां तैनात पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी से बात किया, लेकिन उन्होंने अलग से कोई व्यवस्था नहीं होने की बात कही। सभा के बाहर शरीर से दिव्यांग रहने के कारण, उन्हें चलने-फिरने के लिये व्हीलचेयर सहारा बना हुआ था। ऐसे में सभी दिव्यांग व्हीलचेयर पर के साथ मुख्यमंत्री के भाषण को सुनने के लिये पहुंचे हुए थे। व्हीलचेयर सहित उन्हें सभा स्थल पर लगे टेंट में जाना था। अलग व्यवस्था नहीं होने के कारण जाने में असमर्थ थे, बेचारे बगैर मुख्यमंत्री का भाषण सूने वापस लौट गए। दिव्यांग संघ के अध्यक्ष अगस्त उपाध्याय सहित अन्य का कहना था कि मुख्यमंत्री सबके लिये हैं, ऐसे में प्रशासन को वैसे व्यक्तियों के लिये विशेष व्यवस्था करना चाहिए जो दिव्यांग हैं। हमलोग सभा स्थल पर पहुंचकर भी उनके टेंट में नहीं जा पाए और उनकी बातों को नहीं सुन पाए।

छठ पर्व को लेकर डीएम-एसपी ने डुमरांव के घाटों का किया निरीक्षण

■ **सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए पुख्ता निर्देश, ड्रोन व सीसीटीवी से होगी निगरानी**

डुमरांव। केटी न्यूज

छठ पर्व को लेकर शनिवार की देर शाम डीएम विद्यानंद सिंह और एसपी शुभम आर्या ने डुमरांव नगर क्षेत्र के प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। डीएम एवं एसपी सबसे पहले छठिया पोखर पहुंचे, जहाँ नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुलधर दुबे ने तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। डीएम ने छठिया पोखर के साथ-साथ जंगली शिव मंदिर पोखर और अन्य प्रमुख घाटों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक घाट की गहराई की माप, बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था समय से पूरी कर ली जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। डीएम सिंह ने कहा कि पर्व के दौरान पोखरों में गोताखोरों की तैनाती रहेगी और नगर प्रशासन द्वारा लगातार गश्ती की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस बार घाटों पर सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन कैमरे के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी ताकि हर गतिविधि पर प्रशासन की सीधी नजर बनी रहे। वहीं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्या ने सुरक्षा की दृष्टि से डीएसपी पोलस्त कुमार को निर्देश दिया कि घाटों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाए। उन्होंने कहा कि भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित दल तैयार रखी जाए। प्रशासनिक टीम ने मौके पर मौजूद कर्मियों को निर्देश दिया कि रविवार सुबह तक सभी घाटों की सफाई, बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था पूरी कर ली जाए ताकि आस्था के इस महापर्व पर श्रद्धालुओं को निर्बाध पूजा-अर्चना करने में कोई परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम राकेश कुमार, एडीएम बक्सर, नप प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह, डुमरांव थानाध्यक्ष संजय सिन्हा और कार्यवाहक नप सभापति विकास कुमार भी मौजूद रहे।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर


सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

डुमरांव डिस्पैच सेंटर का डीएम, एसपी ने किया निरीक्षण

■ **निर्वाचन तैयारियों में तेजी, अधिकारियों ने दिए कड़े निर्देश**

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधान सभा आम चुनाव 2025 को लेकर प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ तैयारियों में जुट गया है। इसी क्रम में शनिवार को डुमरांव स्थित डिस्पैच सेंटर का जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं अनुमंडल पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने मतदान दलों की रवानगी एवं मतदान सामग्री के वितरण जैसे सबसे महत्वपूर्ण चरण की तैयारी को पूरी गंभीरता से परखा और स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डिस्पैच सेंटर के प्रत्येक सेक्शन, सामग्री वितरण, कर्मियों की तैनाती, परिवहन प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था,



संचार व्यवस्था, तकनीकी समर्थन, बिजली-पानी और स्वच्छता आदि का विस्तार से मूल्यांकन किया। सभी शाखाओं के अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली गई और आवश्यक सुधार पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था अनिवार्य

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि डिस्पैच सेंटर पूरी चुनावी प्रक्रिया का केंद्रीय बिंदु है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था किसी भी हालत में कमजोर नहीं होनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां अतिरिक्त बल तैनात करने का निर्देश दिया। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढ़ाने और हर गतिविधि की वीडियोग्राफी सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी गई।

मतदान दलों के परिवहन व संचार पर विशेष ध्यान

अधिकारियों ने मतदान कर्मियों की आमद-रफ्त के लिए पर्याप्त वाहनों की उपलब्धता तथा संचार तंत्र के निर्बाध संचालन पर जोर दिया। साथ ही, मतदान सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव और वितरण प्रक्रिया को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित बनाने की तैयारी सुनिश्चित की गई।

बिजली-पानी, प्रकाश और स्वच्छता की भी हुई समीक्षा

डिस्पैच सेंटर में निरंतर विद्युत आपूर्ति, पर्याप्त प्रकाश, पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। यह निर्देश दिया गया कि मतदान दलों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध रहें। निरीक्षण के अंत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि डिस्पैच सेंटर निर्वाचन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। सभी अधिकारी समयबद्धता, पारदर्शिता और समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों के इस निरीक्षण से क्षेत्र में चुनावी तैयारियों की रफ्तार और तेज होने की उम्मीद है। प्रशासन का लक्ष्य है कि मतदान दिवस पर हर प्रक्रिया सुचारू, सुरक्षित और शत-प्रतिशत सफल हो।



बोले एनडीए के सरकार में पूरे राज्य में प्रेम भाईचारा व शांति का माहौल है

अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी व रोजगार : नीतीश कुमार





- डुमरांव में मुख्यमंत्री ने किया चुनावी सभा को किया संबोधित, बक्सर में कराए गए विकास कार्यों पर रहा फोकस, मलई बराज को नहीं भूले सीएम

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार में अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी व रोजगार दिया जाएगा। पिछले पांच वर्षों में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी व 40 लाख को रोजगार दिया गया है। उक्त बातें शनिवार को डुमरांव के ऐतिहासिक राज हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कही।

उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2005 को मैंने पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब से आज तक बिहार में एनडीए की सरकार ने विकास की गंगा बहाई है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण, पुलपुलिया आदि में काफी विकास किया है। अगले पांच वर्षों में जो कमी रह गई है उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के अगले पांच वर्षों में राज्य में नौकरियों के साथ ही उद्योग-धंधो को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और कहा कि 2005 के पहले बिहार में क्या था। बक्सर समेत पूरे बिहार में अपराध चरम पर था, दंगे होते थे, लेकिन एनडीए के शासन में प्रेम, भाईचारा व शांति का माहौल है।

उन्होंने राजद सुप्रिमो पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब वे जेल जाने लगे तो अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिए। नीतीश ने परिवारवाद पर जमकर प्रहार किया और कहा कि हमारी पार्टी तथा एनडीए गठबंधन ने कभी परिवारवाद को बढ़ावा नहीं दिया है, जबकि विपक्ष ने सिर्फ अपने बेटा, बेटी व पत्नी को बढ़ावा दिया है।

बिना भेदभाव हुआ है बिहार का विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार में बिना भेदभाव के विकास किया गया है। हिन्दू, मुस्लिम, अगड़ा-पिछड़ा सबको समान अवसर मिले है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण तथा अन्य क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों को गिनवाया और कहा कि 2005 के पहले राज्य में सिर्फ छह मेडिकल कॉलेज थे, जबकि आज राज्य के 27 जिलों में मेडिकल कॉलेज बनाने का काम जारी है।

महिला सशक्तिकरण में बिहार नंबर वन

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार आज महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में पूरे देश में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि पंचायत व निकाय चुनावों के साथ ही पुलिस, शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य विभागों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज बिहार की महिलाएं तेजी से आगे बढ़ रही है तथा सभी क्षेत्रों में अच्छा काम कर रही है।उन्होंने कहा कि राज्य में बीपीएससी के माध्यम से 2.58 लाख शिक्षकों की बहाली की गई है। वहीं, पहले से नियोजित शिक्षकों को भी दक्षता परीक्षा के आधार पर सरकारी संवर्ग में प्रोन्नत किया गया है। उन्होंने कहा कि अबतक 2.62 लाख नियोजित शिक्षक सरकारी शिक्षक बन चुके है, बजे हुए 77 हजार नियोजित शिक्षकों के लिए अभी दो मौके दिए जाएंगे।

स्थानीय मुद्दों व विकास पर रहा फोकस

मुख्यमंत्री के भाषण का मुख्य फोकस स्थानीय मुद्दे व बक्सर की विकास योजनाओं पर रहा। इस दौरान वे मलई बराज का नाम लेना नहीं भूले तथा कहा कि मलई बराज का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बक्सर पटना फोरलेन सड़क, डुमरांव में कृषि कॉलेज, आईटीआई कॉलेज, मेडिकल कॉलेज स्थापित हुए है। रोजगार के क्षेत्र में नावानगर में कंपनियां खुली है। इसके अलावे कई सड़क, पुल, बक्सर में गंगा पर नया पुल तथा विद्युत क्षेत्र में एनडीए सरकार ने मील के पत्थर स्थापित किए है।

अब इधर उधर नहीं जाएंगे

अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एक-दो बार उधर चले गए थे, लेकिन, अब इधर-उधर नहीं जाएंगे, बल्कि एनडीए के साथ रहकर ही बिहार को विकास के पथ पर आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने लोगों से डुमरांव के जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह समेत बक्सर जिले के सभी चारों विधानसभा क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जीताने की अपील की।

नीतीश ही होंगे एनडीए के मुख्यमंत्री : उपेन्द्र कुशवाहा

नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री होंगे, इस बात की घोषणा राष्ट्रीय लोक दल (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने राज हाई स्कूल के खेल मैदान से कही। उन्होंने कहा कि पत्रकार बार-बार सवाल करते है कि एनडीए में बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा। उन्होंने कहा कि आज से यह सवाल नहीं पूछा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सूर्य का पूरब से निकलना तय है, उसी तरह बिहार में नीतीश का सीएम बनना तय है। उन्होंने कहा कि एनडीए एकजुट है, और रहेगा भी। चुनावी सभा को जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, डुमरांव से जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह, बक्सर से भाजपा प्रत्याशी आनंद मिश्र, राजपुर प्रत्याशी संतोष निराला व ब्रह्मपुर प्रत्याशी हुलास पांडेय समेत कई स्थानीय नेताओं ने भी संबोधित किया।

एक नजर

देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर थाने की पुलिस ने 45 लीटर देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस को यह सफलता शुक्रवार की देर शाम नया भोजपुर पियरा पोखरा के पास से मिली है।

गिरफ्तार तस्कर की पहचान लालबाबु नट पिता स्व. परदेशी नट के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पियरा पोखरा निवासी लालबाबु नट शराब की तस्करी कर रहा है। इस सूचना पर एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। इस दौरान उसके ठिकाने से 45 लीटर देशी शराब बरामद हुआ, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

राजपुर में पुलिस व केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों ने निकाला फ्लैग मार्च

राजपुर। विधानसभा चुनाव में किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए राजपुर पुलिस ने चुनाव के मद्देनजर आए केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों के साथ मिल क्षेत्र के मंगरॉव, संगरॉव, खीरी, भलुहा, उत्तमपुर, ईसापुर सहित अन्य गांव में पहुंचकर फ्लैग मार्च किया। इसका नेतृत्व कर रहे थाना अध्यक्ष निवास कुमार ने आम जनों से अपील किया कि अगर कोई भी व्यक्ति किसी गांव में संप्रदाय तनाव पैदा करना अथवा धमका कर अपने पक्ष में मत देने की बात करता है तो इसकी सूचना पुलिस या प्रशासनिक अधिकारियों को दें, उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा। आम जनों से अपील किया कि कोई भी व्यक्ति बिना डरे मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपना वोट जरूर करें। इनके साथ सहायक अवर निरीक्षक रवि कुमार सहित अन्य पुलिस बल के जवान थे।

देवल पुल पर शराब की खेप के साथ दो गिरफ्तार, बाइक जब्त



राजपुर। राजपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के देवल पुल चेक पोस्ट के पास से 31 लीटर विभिन्न ब्रांडों के विदेशी शराब को पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में दो तस्करों को गिरफ्तार किया है तथा उनकी बाइक भी जब्त कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार बिहार विधानसभा चुनाव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। इसको लेकर कैमूर रोहतास एवं अन्य सीमावर्ती इलाके को पूरी तरह से सुरक्षा जांच घेरे में कर लिया गया है। जहां मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी सभी आने-जाने वाले लोगों की गहन जांच पड़ताल कर रहे हैं। इसी जांच के दौरान जैसे ही उत्तर प्रदेश की सीमा से बिहार की सीमा में एक बाइक पर सवार दो लोग जब प्रवेश किया तो जांच के बाद उनके पास पेटी में बंद विभिन्न ब्रांडों के विदेशी शराब बरामद किया गया। साथ ही इस धंधे के उपयोग में लाई गई बाइक को भी जप्त कर लिया गया। शराब तस्कर रोहतास जिला के बिक्रमगंज निवासी प्रदीप कुमार एवं रवि कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। गहन जांच के बाद उनके पास से 11 हजार रुपये भी जप्त किया गया। थाना अध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि कागजी कार्रवाई कर वरीय अधिकारी को अवगत करा दिया गया है। साथ ही शराब माफियाओं पर विशेष नजर बनाए रखने के लिए क्षेत्र में लगातार गहन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है। हर गांव में सेना के जवान भी फ्लैग मार्च कर रहे हैं। आम जनों से अपील की जा रही है कि लोग भय मुक्त होकर आगामी चुनाव में हिस्सा लेंगे। किसी भी व्यक्ति को अगर कोई लोभ या धमकाने प्रयास करता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। इस अभियान में एसआई प्रमोद कुमार, सुभाष कुमार के अलावा अन्य जवान अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे।

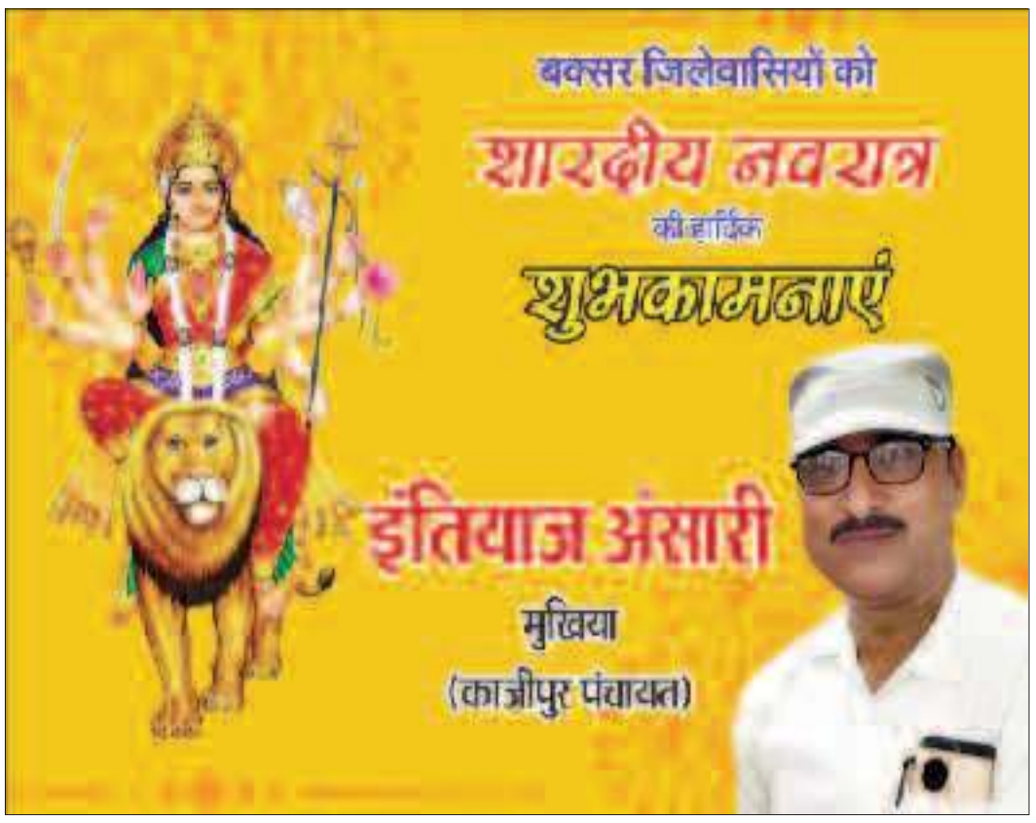
चौसा में पकड़ाई कपड़ा चोरी करने वाली महिला गिरोह ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपा



- लंबे समय से भीड़ का फायदा उठा कपड़ा दुकानों में करती थी चोरी, पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है पुलिस

केटी न्यूज/चौसा

चौसा बाजार में ग्रामीणों ने कपड़ा दुकानों से चोरी करने वाली महिलाओं के एक संगठित गिरोह को पकड़ पुलिस के हवाले किया है। पकड़ी गई सभी महिलाएं त्योहारी सीजन में दुकानों में भीड़ का फायदा उठा कपड़ा चुरा लेती थी। यह सिलसिला लंबे समय से चल रहा था, लेकिन शनिवार को वे रंगेहाथ पकड़ी गई। बताया जा रहा है कि यह गिरोह पिछले एक सप्ताह से राजपुर, तियरा एवं चौसा क्षेत्र के विभिन्न दुकानों से लाखों रुपये के कपड़े चोरी कर चुकी थी। शनिवार को गिरोह की पांच महिलाएं चौसा बाजार स्थित एक दुकान से चोरी की फिराक में पहुंचीं, तभी अखौरीपुर गोला के कपड़ा व्यवसायी ने उन्हें पहचान लिया। जिसके बाद व्यवसायी के शोर मचाने पर मौके पर उपस्थित कुछ महिलाओं ने ही महिला चोरों को पकड़ लिया और उनकी जमकर धुनाई भी की। इसके बाद दुकानदारों ने इसकी सूचना डायल 112 पर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने सभी को हिरासत में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही राजपुर के कपड़ा दुकानदार मनीष कुमार थाने पहुंचे और पुलिस को सीसीटीवी फुटेज दिखाकर पहले हुई चोरी की पुष्टि कराई। पुलिस ने बताया कि गिरोह की इन महिलाओं ने भीड़ वाले स्थानों पर दुकानों से कपड़े चुराए थे और चोरी के बाद विभिन्न जगहों पर उसे बेचने का प्रयास करती थीं। थाना प्रभारी शम्भू भगत ने जानकारी देते हुए कहा कि गिरफ्तार महिलाओं ने चोरी की बात स्वीकार कर ली है और उनके द्वारा चुराए गए कपड़ों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुन्नी देवी पत्नी स्व. कुमार, पुष्पा देवी पत्नी जितेंद्र बिंद, अंजली देवी पत्नी सिंटू बिंद, रचलि देवी पत्नी विक्रमा बिंद कृ सभी उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के सकलडीहा थाना अंतर्गत नाई बाजार की रहने वाली हैं। वहीं रिंकू देवी एवं नखडू राजभर उत्तर प्रदेश के जमानिया थाना क्षेत्र के तियरी गांव की बताई गई हैं। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह अक्सर पर्व-त्योहार और बाजार के भीड़भाड़ वाले दिनों में सक्रिय रहता है तथा झुंड बनाकर दुकानदारों की नजर चकमा देकर कपड़े चोरी करता है। गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और इनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।





नाथबाबा मंदिर परिसर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

- मिशन 75 प्रतिशत को सफल बनाने का लिया संकल्प, दीपों की रौशनी से निखरा लोकतंत्र का उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधान सभा आम चुनाव 2025 को लेकर जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियों को गति मिल गई है। इसी कड़ी में शनिवार को नाथबाबा मंदिर परिसर में अद्भुत और प्रेरणादायक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान परिसर लोकतंत्र के उत्साह और संकल्प की जगमगाहट से सराबोर रहा।

कार्यक्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी बक्सर, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त एवं अपर



समाहर्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। पदाधिकारियों ने जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में आम नागरिक की सबसे बड़ी शक्ति उसका वोट है। इसे प्रयोग में लाकर ही हम अपने भविष्य का चयन और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

लोकतंत्र का दीप जला, बढ़ा मतदान का जज्बा

मिशन 75 प्रतिशत के लक्ष्य को साधने हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में जीविका दीदियों ने दीप प्रज्वलित कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। दीपों की कतारों ने पूरे मंदिर परिसर को आलोकित कर दिया, मानो लोकतंत्र के प्रति जागरूकता की लौ हर दिल में जल उठी हो।

इस अवसर पर जीविका दीदियों एवं अन्य उपस्थित लोगों ने मतदान जागरूकता की शपथ भी ली कि हम शपथ लेते हैं कि हम अपने देश के प्रति निष्ठा रखते हुए, लोकतंत्र की मर्यादा और गरिमा को बनाए रखेंगे और निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

अधिकारियों ने कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, लोकतांत्रिक कर्तव्य भी है। प्रत्येक पात्र मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं और प्रथम बार वोटर बनने वाले मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की।

परिवार और समाज को भी जागरूक करने का संकल्प

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इस बात का संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं मतदान करेंगे बल्कि अपने परिवार, मोहल्ले और समाज को भी मतदान के प्रति जागरूक करेंगे। स्वीप कोषांग, बक्सर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य था कि लोकतंत्र के दीप जलाकर मतदान के महापर्व को जन-जन तक पहुंचाना। बक्सर जिले में ऐसे कई कार्यक्रम आगामी दिनों में भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विधानसभा चुनाव में अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित करते हुए मिशन 75 प्रतिशत को सफल बनाया जा सके।

सुभाषितम्

सत्ता की महत्ता तो मोहक भी बहुत होती है, एक बार हांथ में आने पर और कंटीली होने पर भी छोड़ी नहीं जाती। - वृंदावनलाल वर्मा

अमेरिका-चीन का ट्रेड वॉर सोने-चांदी का नया स्वर्ण युग?

विश्व अर्थव्यवस्था में एक बार फिर भूचाल की स्थिति देखने को मिल रही है। अमेरिका और चीन के बीच छिड़ी ट्रेड वॉर ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उथल-पुथल मचा दी है। अमेरिका द्वारा चीन पर 100प्रतिशत टैक्स लगाने और चीन ने जवाब में रेयर अर्थ मेटल्स के निर्यात पर रोक लगाने से साफ संकेत मिल रहा है, आने वाले महीनों में वैश्विक व्यापार एक नई दिशा पर चलने वाला है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे राजनीतिक सामरिक एवं व्यापारिक तनाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था एक नया मोड़ ले रही है। नई व्यवस्था में विभिन्न देशों की मुद्राएं जिसमें प्रमुख रूप से डालर है, उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में एक अविश्वास देखने को मिल रहा है। हर देश अपनी मुद्रा को सुरक्षित रखने के लिए स्वर्ण भंडार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। औद्योगिक विकास के युग में चांदी भी मुद्रा के रूप में स्थापित होती जा रही है, जिसके कारण दुनिया में एक बार फिर सोने एवं चांदी की मांग बढ़ती चली जा रही है। जिसके कारण सोने और चांदी की कीमतें नए-नए रिकॉर्ड बना रही हैं। सोना और चांदी की चमक के आगे सब कुछ फीका पड़ रहा है। इतिहास गवाह है, जब भी दुनिया में आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, निवेशकों के बीच में गोल्ड और सिल्वर को सबसे ह्लसेफ हेवनह्व यानी सुरक्षित निवेश माना जाता है। सोने और चांदी के भंडार ने हमेशा परिवारों और सत्ता में बैठे हुए लोगों को बुरे वक्त पर सहारा देने का काम किया है। वर्तमान में वही परंपरा दोहराई जा रही है। अमेरिका के डॉलर इंडेक्स में गिरावट और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के मूल्यांकन में लगातार गिरावट से सोने की मांग दुनिया भर के सभी देशों में तेजी से बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 3000 डालर के पार जा चुका है। चांदी ने भी जबरदस्त तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में दीपावली का त्योहार और शादी के सीजन ने सोना एवं चांदी की मांग को बढ़ा दिया है। भारत में सोने और चांदी के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं लेकिन अब विश्व के अन्य देशों में भी सोने एवं चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है जिसके कारण दाम भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। जिसकी कभी कल्पना लोगों ने नहीं की थी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए दुनिया भर के सेंट्रल बैंक गोल्ड खरीद रहे हैं। चीन, रूस और तुर्की ने पिछले कुछ महीनों में अपने भंडारों में हजारों टन सोना जोड़ा है। भारत ने भी पिछले 10 महीनो में सोने के स्टॉक को बढ़ाया है। यह संकेत है, डॉलर आधारित मौद्रिक व्यवस्था पर दुनिया के सभी देशों का भरोसा कम होता जा रहा है। कुछ अर्थशास्त्रियों का तो मानना है, अगर यह रुझान आगे भी जारी रहा, तो आने वाले दशक में सोना फिर से वैश्विक वित्तीय व्यवस्था मे लेन-देन का आधार बन सकता है। हर तेजी के पीछे जोखिम भी छिपा होता है। सोने और चांदी के दाम जिस तेजी के साथ बढ़ रहे हैं उसको लेकर जोखिम भी लगातार बढ़ता चला जा रहा है। फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में बढ़ोतरी करता है, रूस यूक्रेन अमेरिका चीन इजरायल या गाजा के हालात सुधरते हैं ऐसी स्थिति में सोने-चांदी के दामों में गिरावट भी आ सकती है। निवेशकों के लिए यह समय बेहद सतर्कता के साथ निवेश करने का है। छोटे निवेशकों को अंधी दौड़ से बचना होगा। छोटे निवेशक अपने धन को कई स्थानों पर और कई तरह से निवेश करें ताकि एक जगह पर नुकसान होता है, तो दूसरी जगह वह सुरक्षित रह सकें। आज की स्थिति बता रही है, सोना और चांदी अब सिर्फ धातु और आभूषण नहीं हैं, ये दोनों धातु अब वैश्विक स्तर पर रणनीति के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं। वर्तमान में डिजिटल करेंसी और डॉलर की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। पिछले 80 सालों से डॉलर और विभिन्न देशों की मुद्राओं को लेकर जो विश्वास बना था वह विश्वास खत्म होता जा रहा है। उसका स्थान अब सोना और चांदी ले रहे हैं। एक बार फिर मानव सभ्यता उसी धातु की ओर लौट रही है।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण



भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की। विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शाह्लाह में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में समावेशी विकास

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी



47वां आसियांन शिखर सम्मेलन 26 से 28 अक्टूबर 2025- मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर-समावेशिता एवं स्थिरता वैश्विक स्तरपर दक्षिण- पूर्व एशिया के संगठन (आसियांन) का 47 वां संस्करण, 26 से 28 अक्टूबर 2025 तक मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में आयोजित होने जा रहा है। मलेशिया इस वर्ष आसियान की अध्यक्षता कर रहा है,और उन्होंने इस सम्मेलन के लिए थीम तय की है, समावेशिता एवं स्थिरता, इस थीम के अंतर्गत दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में समावेशी विकास, सामाजिक,आर्थिक पक्षों का समुचित समन्वय, और पर्यावरणीय तथा स्थिरता संबंधी चिंताओं को प्रमुखता दी जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस आयोजन की विशेषता यह है कि इस बार आसियांन के दस सदस्य देशों के साथ-साथ अनेक संवाद साझेदार और वैश्विक शक्तियों के शीर्ष नेताओं की भागीदारी अपेक्षित है, जिससे यह सम्मेलन सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बता दें, भारतीय पीएम इस शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे,पीएम अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण संबंधित बैठकों में भाग लेने के लिए संभवतः मलेशिया नहीं जाएंगे, मीडिया की मानें तो भारत की ओर से विदेश मंत्री इस बैठक में हिस्सा लेंगे और भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे यहां बताना जरूरी है कि इस आसियान बैठक में डोनाल्ड ट्रंप भी आ रहे हैं,ऐसे में संभावना थी कि अगर मोदी जाते हैं तो ट्रंप संग उनकी मुलाकात हो सकती थी, मगर अब मुलाकात का इंतजार बढ़ गया है। साथियों बात अगर हम इस सम्मेलन की पृष्ठभूमि और भू-राजनीतिक महत्व को समझने की करें तोआसियान का मूल उद्देश्य है दक्षिण-पूर्व एशिया के दस सदस्य देशों ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया,ल ाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड तथा वियतनाम, में राजनीतिक -सुरक्षा, आर्थिक और सामाजिक- सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ाना। वर्ष 2025 में मलेशियाअध्यक्षत्व संभाले हुए है, जो आसियान के लिए एक अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि दक्षिण-पूर्व एशिया वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-रणनीति के बदलते केंद्रों में तेजी से उठा है, और चुनौती इसलिए क्योंकि इस क्षेत्र में अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा,रसद व आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान, जलवायु परिवर्तन, और मानवीय व राजनीतिक तनावों का दबाव लगातार बढ़ रहा है इस सम्मेलन में न सिर्फ आसियान के दस सदस्य देश उपस्थित होंगे, बल्कि उनकी निगाहें उन डायलॉग पार्टनर देशों पर भी हैं जिनके साथ आसियान का व्यापक सामरिक-आर्थिक नेटवर्क बना हुआ है। उदाहरणस्वरूप, डोनाल्ड ट्रम्प की उपस्थिति की पुष्टि हो चुकी है,इसके अतिरिक्त, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, भारत, ऑस्ट्रेलिया, रूस जैसे बड़े बाहरी देश भी चर्चा के दायरे में हैं।यह व्यापक भागीदारी इस बात का संकेत है कि आसियान अब केवल क्षेत्रीय मंच नहीं बल्कि एक वैश्विक संवाद केंद्र बनने की प्रक्रिया में है। साथियों बात अगर हम एजेंडा, विषय औरप्राथमिकताओं अवसरों व चुनौतियों को समझने की करें तो,थीम का उद्देश्य है कि विकास का लाभ समस्त सदस्य देशों- समुदायों तक पहुँच सके और सहयोग की संरचना सतत हो।मुख्य एजेंडा में शामिल होंनें की संभावना है, दक्षिण- चीन सागर में समुद्री एवं सुरक्षा विवाद, म्याँमार में नागरिक संकट, आपूर्ति श्रृंखला व आर्थिक निर्भरताएं, डिजिटल अर्थव्यवस्था व जुड़ाव, जलवायु परिवर्तन व सतत विकास, और निस्संदेह बाहरी शक्तियों के साथ रणनीतिक संवाद। इसके अलावा, व्यापार और निवेश को तत्परता से आगे बढ़ाने की दिशा में कदम उठाना इस शिखर सम्मेलन की बड़ी प्राथमिकता होगी क्योंकि वैश्विक आर्थिक माहौल अस्थिर हो रहा है।अवसर और चुनौतियाँ -इस सम्मेलन के माध्यम से आसियान को अनेक अवसर मिल रहे हैं। जैसे-(1) वैश्विक संपर्क बढ़ाना,(2) बहुपक्षीय साझेदारी को गहरा करना, (3) क्षेत्रीय आवाज को सशक्त बनाना, और (4)आर्थिक तथा डिजिटल संक्रमण में नेतृत्व करना।उदाहरण स्वरूप, मलेशिया ने वर्ष 2025 में आसियान अध्यक्ष रहते हुए डिजिटल अर्थव्यवस्था ढाँचे पर जोर दिया है। चुनौतियाँ कम नहीं हैं,अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, रूस-यूक्रेन-मध्यस्थता, म्याँमार की अंदरूनी स्थिति, दक्षिण-चीन सागर में तनाव, बढ़ती आर्थिक असममिताएँ और सदस्य देशों के बीच विकास की खाई) जैसी समस्याएं आसियान के समक्ष खड़ी हैं। साथियों बात अगर कर हम भारत-आसियान संबंध एवं भारत की भूमिका को समझने की करें तो भारत के लिए यह सम्मेलन विशेष महत्व रखता है क्योंकि भारत ने आसियान के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित की है और पोस्ट-2025 दृष्टिकोण तैयार कर रहा है। उपरांत, भारत अपनी अर्थव्यवस्था,सामाजिक शक्ति व रणनीतिक प्रासंगिकता के चलते आसियान क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस सम्मेलन के संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि भारत के पीएम ने इस सम्मेलन में वर्चुअल उपस्थिति की बात कही है। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत आसियान मंच पर सक्रिय है, हालांकि सीधी उपस्थिति न हो पाने का तथ्य भी राजनीति- कूटनीति के आयाम को दशार्ता है। साथियों बात अगर हम अमेरिका - आसियान तथा चीन- आसियान संबंधों का नए परिप्रेक्ष्य में पुनर्संयोजन को समझने की करें तो, अमेरिका की इस क्षेत्र में वापसी और चीन की गहरी दक्षिण-पूर्व एशिया में हिस्सेदारी दोनों ही आसियान की भूमिकाओं को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। उदाहरणस्वरूप, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की उपस्थिति और चीन-रूस-इंडिया समेत अन्य शक्तियों की संभावित उपस्थिति इस क्षेत्र को वैश्विक मुकाबले के केंद्र में ला रही है। इसके मद्देनजर आसियान को चाहिए कि वह अपनी ह्लआसियान-सेंट्रलिटीह्व को सुदृढ़ करे,अर्थात् सदस्य देशों का नेतृत्व एवं निर्णय-प्रक्रिया स्वयं आसियान के अंतर्गत रहे, न कि बाहरी शक्तियों द्वारा नियंत्रित हो जाए। आर्थिक एवं व्यापारिक आयाम-इस सम्मेलन के पूर्व 25-26 अक्टूबर को,एक दिन पहले, आसियान बिजनेस एंड इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2025 का आयोजन भी कुआलालम्पुर में होने जा रहा है, जिसमें वैश्विक सीईओ और व्यावसायिक नेतृत्व भाग लेगा।यह दशार्ता है कि सिर्फ राजनीतिगत मंच नहीं, बल्कि आर्थिक-वाणिज्यिक संवाद का भी एक प्रमुख अवसर इस सम्मेलन के दौरान मौजूद होगा। इस तरह, इस शिखर सम्मेलन को आर्थिक उन्नति, निवेश प्रवाह, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आपूर्ति श्रृंखला पुनर्संरचना, हरित वित्त जैसे क्षेत्रों में प्रेरणा बिंदु के रूप में देखा जा सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रम्प प्रशासन के 50 प्रतिशत टैरिफ का कोई असर नहीं

-प्रहलाद सबनानी



अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है। सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है।भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी भारतीय नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है। सितम्बर 2025 के अंत में सेन्सेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टोबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टोबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चत्तम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वापिसी हुई है। वर्ष 2025 में सितम्बर 2025 माह तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है।

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

- ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय ह्यदेर आए, दुरुस्त आएह्व की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं। क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने ह्यनौकरी, विकास और सम्मानह्ल जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोजगारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ ह्यलालू के पुत्रह्व नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका ह्यजनादेशह्व अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है। एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी।

आज का राशिफल

मेष नई जगह पर निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो सोच-समझकर फैसला लेना लाभकारी सिद्ध होगा।

वृषभ दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

मिथुन लंबे समय से किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब आपको समाधान मिल सकता है।

कर्क परिस्थितियां बदलती हुई नजर आ सकती हैं। ऐसे में आपके लिए लाभ की स्थितियां बन सकती हैं।

सिंह आपका दिन मेहनत भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में कुछ देरी हो सकती है।

कन्या समय की कमी है तो आप अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने के बारे में विचार कर सकते हैं।

तुला अगर आप कुछ धन निवेश करते हैं, तो इससे स्थितियां बेहतर हो सकती हैं।

वृश्चिक आपके द्वारा पहले लिए गए निर्णय अब लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं।

धनु मांगलिक कार्य आयोजित होने के चलते कार्यक्षेत्र में अपने कामकाज पर कम ध्यान दे पाएंगे।

मकर लंबे समय से समस्या का सामना कर रहे थे, तो उससे छुटकारा मिल सकता है।

कुंभ विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा वे आपके कार्यों में बाधा डाल सकते हैं।

मीन स्वास्थ्य में गिरावट देखने को मिल सकती है, जिसके चलते कामकाज में भी कम रुचि रहेगी।

विशेष

दिवाली के जाते ही सोने और चांदी में गिरावट

भारत में चांदी 200000 रु. किलो तक में बिक गई। सोने के भाव भी दिवाली के पहले आसमान छू रहे थे। सटोरियों ने करोड़ों रुपए एक सप्ताह के अंदर कमा लिए। मंगलवार को जैसे ही दीपावली खत्म हुई। उसके बाद सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के विशेषज्ञों का मानना है। सोने और चांदी के दामों में अभी बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। कुछ आर्थिक विशेषज्ञ यह भी कह रहे हैं। यह गिरावट अस्थाई है। जल्द ही एक बार पुनः तेजी देखने को मिलेगी। कुल मिलाकर सोने और चांदी की चमक आज भी बनी हुई है। लोगों को भरोसा है, सोने और चांदी की कीमतें जल्द ही बढेगी।

बिहार के चुनाव में जंगल राज

बिहार विधानसभा का चुनाव प्रचार बड़ी तेज गति से शुरू हो गया है। एनडीए गठबंधन पिछले चार चुनाव से लाल यादव के जंगल राज से डराकर नीतीश बाबू बिहार में सरकार बनाते रहे हैं। अब जिस तरह के हालात बिहार में बन गए हैं। उसमें जो युवा मतदाता है। उसने कभी जंगल राज देखा ही नहीं, जो आंकड़े हैं, वह लालू के जंगल राज के आंकड़ों से ज्यादा भयावह हैं। जंगल राज का यह नारा इस चुनाव में एनडीए को मदद नहीं कर पा रहा है। इसके अलावा एनडीए के पास अन्य कोई नारा दिख नहीं रहा है। जिससे चुनाव जीत सकें। बिहार विधानसभा चुनाव दोनों गठबंधनो के लिए बुरी तरह से फंस गया है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

2524: स्पेनियों ने मिलान फ्रांसीसियों के हवाले कर दिया। 1850: ताइपिंग विद्रोह में हुंग सियु लुएन ने अपने को शंहशाह घोषित किया। 1896: इथोपिया से इटली का संरक्षण समाप्त हुआ। 1911: चीन गणराज्य घोषित हुआ। 1917: ब्राजील ने जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1934: गांधीजी के नेतृत्व में अखिल भारतीय ग्रामीण उद्योग संघ का गठन हुआ। 1942: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोलोमन द्वितीय के पास अमरीकी युद्धवाहक पोत हार्नेट डूबो दिया गया। 1955: दक्षिण वियतनाम गणराज्य घोषित हुआ। 1962: चीन के आक्रमण के बाद देश में आपात स्थिति की घोषणा की गई। 1969: चांद पर पहली बार उतरने वाले अंतरिक्ष यात्री आर्मस्ट्रांग और एल्ड्रिन भारत आए। 1975: मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर सादात आर्थिक और सैन्य सहायता के लिए अमरीका गए।

दैनिक पंचांग

26 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.42 ब.से.
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	09.58 बजे से
मंगल	तुला में	मकर	12.03 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.50 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.23 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.53 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.31 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.45 बजे से
		सिंह	01.01 बजे से
		कन्या	03.13 बजे से
		तुला	05.24 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 299 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि पंचमी अहोरात्र।
नक्षत्र ज्येष्ठा 10.47 बजे को समाप्त।
योग शोभन 06.46 बजे को समाप्त।
करण बव 16.59 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 04.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 27'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872509
जूलियन दिन 2460974.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल त

संक्षिप्त समाचार

50 रुपये न देने पर युवक ने लगाई आग, पलंग मार्केट में लाखों रुपए का नुकसान

जमशेदपुर, एजेंसी। साकची थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास स्थित पलंग मार्केट में शनिवार की मध्यरात्रि आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की इस घटना में दो दुकानों के छह पलंग और गद्दे जलकर खाक हो गए। घटना में दुकानदार मानगो निवासी मोहम्मद इस्लाम तथा उनके पड़ोसी दुकानदार को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही साकची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को खबर दी गई। दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान आसपास की छायाबस्ती में रहने वाले लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की।

झारखंड आंदोलनकारी महासभा का एक दिवसीय धरना 29 अक्टूबर को

लोहरदगा, एजेंसी। झारखंड आंदोलनकारी महासभा, लोहरदगा जिला कोर कमिटी की बैठक शुक्रवार को जिलाध्यक्ष अनिल कुमार भगत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय प्रधान महासचिव मो. कयूम खान, कार्यकारी अध्यक्ष अमर किन्डो, सचिव विशेषण भगत, कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार ठाकुर, विलियम कुजूर, शाहिद अंसारी समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में 24 सितम्बर को आयोजित जिला कमिटी की बैठक में लिए गए निर्णय की समीक्षा की गई, जिसमें 29 अक्टूबर को धरना-प्रदर्शन आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। समीक्षा उपरांत कोर कमेटी ने निर्णय लिया कि यह धरना-प्रदर्शन 29 अक्टूबर को समाहरणालय, लोहरदगा के समक्ष पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में कार्यक्रम की लिखित सूचना अनुमंडल पदाधिकारी, लोहरदगा को भी सौंप दी गई है। कोर कमेटी ने जिले के सभी चिन्हित एवं चिन्हित आंदोलनकारियों से अपील की है कि वे अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

पलामू की तत्कालीन डीईओ की बर्खास्तगी का आदेश रद्द

रांची, एजेंसी। हाईकोर्ट ने पलामू की तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) मीना कुमारी राय की बर्खास्तगी रद्द करने के एकलपीठ के फैसले को सही ठहराया है। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने इस मामले में सरकार की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा-काम में लापरवाही, प्रक्रियात्मक गलती या अधीनस्थ कर्मचारियों से सख्ती जैसे आरोपों के लिए किसी कर्मचारी को बर्खास्त करना बहुत ही कठोर सजा है। 31 साल की बेदाग सेवा के बाद किसी को बर्खास्त कर पेंशन जैसे लाभों से वंचित करना कठोर कदम है। मीना कुमारी 1988 से बिहार शिक्षा सेवा में कार्यरत थीं। झारखंड बनने के बाद वह झारखंड कैडर में आ गई। पलामू डीईओ रहने के दौरान उनपर काम में लापरवाही बरतने, अधीनस्थों का वेतन रोकने और सरकारी आदेशों का पालन ठीक से न करने के आरोप लगे। इसके बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। मीना ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकलपीठ ने कहा कि आरोप इतने गंभीर नहीं कि नौकरी से बर्खास्त किया जाए। कोर्ट ने उनकी बर्खास्तगी रद्द करते हुए विभाग को दोबारा विचार करने को कहा था। इसके खिलाफ सरकार ने अपील दायर की थी।

सर्दी चौखट पर, 22 लाख बच्चों को नहीं मिले स्वेटर व जूते-मोजे

रांची, एजेंसी। सर्दी दस्तक देने लगी है। लेकिन राज्य के 22 लाख से अधिक बच्चों को अभी स्वेटर, जूते-मोजे और ड्रेस के पैसे नहीं मिले हैं। क्योंकि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) के पास पैसे ही नहीं हैं। बच्चों को ये कब मिलेंगे, इसके बारे में भी कोई खुलकर बताने को तैयार नहीं है। दरअसल चालू वित्तीय वर्ष में जेईपीसी को 445 करोड़ रुपए मिले थे। इनमें केंद्र के हिस्से के 271 करोड़ और राज्य के हिस्से के 171 करोड़ रुपए थे। यह राशि दूसरी योजनाओं पर खर्च हो गई। अब जेईपीसी के पैसे पैसे ही नहीं बचे हैं। वह दूसरी किस्त की प्रतीक्षा में है। इसका असर सरकारी स्कूलों के बच्चों पर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार विभिन्न जिलों के सरकारी स्कूलों में पढ़नेवाले करीब 24 लाख से अधिक बच्चों को ड्रेस, स्वेटर, जूते-मोजा की राशि उनके खाते में भेजी जा चुकी है। पर, 22 लाख छात्र अब भी पैसे से वंचित हैं। दूसरी किस्त मिलने के बाद ही बच्चों को यह राशि मिलने की उम्मीद है। लेकिन दूसरी किस्त कब मिलेगी, इसका कोई अता-पता नहीं है।पहली से पांचवीं कक्षा तक के हर विद्यार्थी को दो सेट पोशाक, स्वेटर व जूते-मोजे के लिए सरकार 600 रुपए देती है। छठी से आठवीं के छात्रों को दो सेट पोशाक के लिए 400, स्वेटर के लिए 200 रुपए और जूते-मोजे के लिए 160 रुपए दिए जाते हैं। छठी से आठवीं तक के छात्रों के जूते-मोजे की पूरी राशि राज्य सरकार देती है। 9वीं से लेकर 12वीं तक के बच्चों को इसके लिए 1200 रुपए दिए जाते हैं। हालांकि इन पैसों में वो सब कुछ नहीं खरीदे जा सकते हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत, सड़क पर बवाल

धनबाद में गुस्साए लोगों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की

धनबाद, एजेंसी। आठ लेन सड़क पर 99 कोलांचल सिटी के पास शुक्रवार की रात दो बाइक की टक्कर में बारामुड़ी खटाल में रहने वाले 26 वर्षीय नंदू राय की मौत हो गई। मौत की खबर पर बारामुड़ी से काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। शव को अशर्फी अस्पताल परिसर में खड़े ऑटो में पड़ा देख वह भड़क गए। गुस्साए लोगों ने पहले 8 लेन सड़क को जाम कर दिया। आने जाने वाले वाहन सवारों को पीटा। इसके बाद अशर्फी अस्पताल में घुसकर इमरजेंसी में तोड़फोड़ शुरू कर दी। तोड़फोड़ के दौरान एक डॉक्टर और 3-4 अस्पताल कर्मी जख्मी हो गय। गेट और अस्पताल परिसर में खड़ी दो एंबुलेंस का शीशा तोड़ दिया। सूचना पर धनबाद थाना प्रभारी राम नारायण ठाकुर दलबल के साथ पहुंचे। पुलिस को देख उपद्रवी ईंट-पत्थर चलाने लगे।

इसमें धनबाद थाना के दरोगा चरणजीत सिंह का सिर फट गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज किया। पुलिस ने उपद्रवियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पुलिस एक्शन के बाद वहां अफरातफरी मच गई। उपद्रवी मौके से भाग निकले। पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। उपद्रव करने वालों को चिन्हित कर पुलिस उनके खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करेगी।

8 लेने की सर्विस लेन में दो बाइक की सीधी टक्कर में नंदू की मौत हो गई। वहीं, बारामुड़ी खटाल का श्याम यादव (17) व नंदन यादव (16) गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी श्याम और नंदन के मुताबिक वे दूध बांटकर विनोद बिहारी चौक की ओर लौट रहे थे।



इसी दौरान विनोद बिहारी चौक की ओर से भूली मोड़ की तरफ जा रही बाइक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक सड़क पर गिर गए और दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोग तीनों युवक को एक ऑटो से अशर्फी अस्पताल ले गए। वहां नंदू को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, श्याम और नंदन का इलाज अशर्फी अस्पताल में चल रहा है।

ऑटो में नंदू का शॉप पड़ा देखा उग्र हो गया लोग: नंदू की मौत की खबर मिलने के बाद बारामुड़ी बस्ती के सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष अस्पताल पहुंच गए। नंदू को ऑटो में ही पड़ा देखा तो लोग उग्र हो गए। प्रबंधन पर नंदू का इलाज न करने का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर उत्पात मचाया। अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड से लेकर अस्पताल के अन्य कई जगहों के शीशे दरवाजे डाले। वहीं, अस्पताल के बाहर काफी संख्या में लोगों ने सड़क जाम कर दिया।

इधर तोड़फोड़, उधर खड़ी एसयूवी से टकराया वाहन : एक तरफ जहां युवक की मौत को लेकर हंगामा हो रहा था। वहीं, दूसरी तरफ विनोद बिहारी चौक से मेमको मोड़ जाने वाले सर्विस लेन में खड़ी एसयूवी को दूसरी एसयूवी द्वारा धक्का मारने से फिर अफरातफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक सर्विस लेन में एसयूवी खड़ी कर उसे पर सवार लोग हंगामा का कारण जाने के लिए अस्पताल गए थे। इस दौरान विनोद बिहारी चौक के तरफ से दूसरी एसयूवी तेज रफ्तार में खड़ी एसयूवी को धक्का मार कर डिवाइडर पर चढ़ गई। भीड़ का फायदा उठा उसमें सवार लोग मौके से भाग निकले। गाड़ी पर भारत सरकार लिखा हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सवार नशे में थे। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

डायन का आरोप लगाकर बड़े भाई ने छोटे भाई-बहू पर किया जानलेवा हमला, पत्नी का सिर फटा

भुरकुंडा(रामगढ़), एजेंसी। झारखंड में डायन-बिसाही का मामला समाज के लिए कोढ़ बन गया है। आए दिन डायन बिसाही को ले मारपीट व हत्या होती रही है। ऐसा ही एक मामला हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत उरीमारी जामुन टोला में शुक्रवार को सामने आया है। अपने ही सगे बड़े भाई नेपरिवार के साथ मिलकर छोटे भाई व उसकी पत्नी पर जानलेवा हमला बोला है। डायन-बिसाही का आरोप लगाकर जमकर पिटाई की। घटना में पत्नी का सर फट गया है, जबकि पति का हाथ टूट गया है। इस बाबत पीड़िता उरीमारी जामुन टोला रीना देवी ने उरीमारी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

प्राथमिकी में कहा गया कि पति लक्ष्मण कुमार के बड़े भाई खिरोधर महतो व उसके परिवार के लोग मुझ पर डायन बिसाही का आरोप लगाते हुए आए दिन गाली-गलौज व मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते रहते थे।

गुरुवार की देर शाम खिरोधर महतो व उसकी पत्नी सुनीता देवी, बेटा जीतू कुमार,बेटी जयंती देवी व दामाद सोहन महतो अपने साथ



हथियार लेकर मेरे घर पहुंच मुझे व मेरे पति लक्ष्मण कुमार पर जानलेवा हमला कर दिया।

घटना में मेरा सिर फट गया है साथ ही आंतरिक अंगों में गंभीर चोट लगी है जबकि मेरे पति का दायां हाथ टूट गया है,जो अस्पताल में इलाजरत है।उरीमारी पुलिस ने दम्पति का इंजुरी कराते हुए मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। घटना को लेकर पीड़िता के साथ जामुन टोला सहित अन्य जगहों से भारी संख्या में पहुंचे महिला-पुरूष उरीमारी थाना पुलिस से मामले पर कड़ी कारवाई की मांग कर रहे थे।

मामले पर उरीमारी ओपी प्रभारी रथु उरांव ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया।घटना को ले हर पहलू पर बारीकी से जांच-पड़ताल की जा रही है। साथ ही आरोपितों के धर-पकड़ में जुटी है।

सीईओ के. रवि कुमार ने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

रांची, एजेंसी। रांची झारखंड में एसआईआर की तैयारी शुरू कर दी गई है। एक महत्वपूर्ण निर्णय के अनुसार 2003 की मतदाता सूची की मैपिंग होगी। दिल्ली में हुई दो दिवसीय बैठक से लौटने के बाद शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। उन्होंने वर्तमान मतदाता सूची का 2003 की मतदाता सूची से फैमिली ट्री बनाते हुए मैपिंग करने का निर्देश दिया। 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं की मैपिंग भौतिक रूप से और बीएलओ ऐप के द्वारा होगा। सीईओ ने कहा कि वैसे मतदाता, जिनका 2003 की मतदाता सूची में नाम नहीं है, किंतु उनके माता-पिता का नाम 2003 के मतदाता सूची में है, ऐसे मतदाताओं का बीएलओ द्वारा उनके माता-पिता का विवरण 2003 की मतदाता सूची से निकालकर वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग पूरा कर लें। सभी डॉक्यूमेंट को रेकर्ड के रूप में सुरक्षित रखें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआईआर के दौरान सभी डॉक्यूमेंट को परमानेंट डॉक्यूमेंट की तरह रेकर्ड के रूप में सुरक्षित रखें। इसके साथ ही 2003 के भी डॉक्यूमेंट को डिजिटल एवं नॉन डिजिटल रूप में संरक्षित करें। उन्होंने कहा कि एसआईआर के दौरान निर्धारित अंतराल पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर के अलावा सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी व उप निर्वाचन पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

जामताड़ा में एनजीओ की आड़ में चला रहा था सेक्स रैकेट, ग्रामीणों ने हंगामा कर बनाया बंधक

जामताड़ा, एजेंसी। से सटे गोपालपुर गांव जाने वाली सड़क के किनारे बने एक मकान में जामताड़ा शहर का रहने वाला एक युवक सेक्स रैकेट चला रहा था। इस धंधे को चलाने के लिए उसने एक एनजीओ की आड़ ले रखी थी। पिछले कुछ दिनों से जब यहां अलग-अलग लड़कियों के आने-जाने की भनक स्थानीय ग्रामीणों को लगी तो उन्हें शक हुआ।

लगातार अलग-अलग लड़के-लड़कियों के आने-जाने की खबर पाकर आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बुधवार को इस मकान को घेर लिया और मौके से यहां सेक्स रैकेट चला रहे युवक जयकिशन साव को धरदबोचा। इस बीच मौके का फायदा उठाकर वहां मौजूद लड़कियां भाग निकलीं।

वहीं, घटना की सूचना मिलते ही



मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और दोपहर बाद से देर शाम तक हंगामा होता रहा। इस बीच घटना की सूचना स्थानीय मुखिया और जामताड़ा टाउन थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे टाउन थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह काफी देर तक लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास करते रहे।

मौके पर पहुंचे स्थानीय मुखिया सरोज हेम्ब्रम की मौजूदगी में स्थानीय लोगों ने आरोपित को पुलिस के हवाले किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कमरे से कई आपत्तिजनक सामाग्री बरामद की है।

थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों के आरोपों के आधार पर आरोपित से पूछताछ की गई और मौके से बरामद आपत्तिजनक साक्ष्यों के आधार पर केस दर्ज किया जा रहा है। देर शाम तक आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करने की प्रक्रिया जारी रही।

विश्वस्त पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपित के खिलाफ काफी समय से सेक्स रैकेट चलाने के आरोप लगते रहे हैं। सूत्रों की मानें तो यह आरोपित जामताड़ा के अलग-अलग ठिकानों पर सेक्स रैकेट चला चुका है।

लेकिन जब लोगों को मामले की भनक लगती थी वह अपना ठिकाना बदल लेता था। लेकिन इस बार साक्ष्यों के साथ पुलिस ने आरोपित को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से धरदबोचा।

जमशेदपुर के सोनारी-कदमा लिंक रोड पर हादसा:पुलिस वाहन ने मॉर्निंग वॉकर को मारा धक्का, मची अफरा-तफरी, महिला घायल

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के सोनारी-कदमा लिंक रोड पर शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक पुलिस वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे टहल रहे लोगों और खड़ी गाड़ियों से जा टकराया। हादसे में एक महिला घायल हो गई। जबकि कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। घटना सुबह करीब छह बजे की है। बताया जा रहा है कि कार में कुछ पुलिसकर्मी सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शी संगीता कुमारी ने बताया कि रोज की तरह लोग सड़क किनारे टहल रहे थे। तभी तेज रफ्तार में आ रही पुलिस की कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और फुटपाथ पर चढ़ गई। इससे एक महिला गिरकर घायल हो गई। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने घायल महिला को पहुंचाया अस्पताल : घटना की जानकारी मिलते ही कदमा थाना की टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को अपने वाहन से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया। घटना के बाद आक्रोशित



स्थानीय लोगों ने सड़क पर हंगामा किया। पुलिसकर्मियों को घेर लिया। लोगों ने वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही कदमा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया।

बना रहता है हादसे का खतरा : स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय बड़ी संख्या में लोग इस रास्ते पर टहलने और योग करने आते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन गंभीर हादसों का कारण बन सकते हैं। लोगों ने प्रशासन से इस रोड पर स्पीड ब्रेकर लगाने और यातायात नियंत्रण के उपाय करने की मांग की है। वहीं दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहनों के मालिकों ने मुआवजे की मांग की है। उनका कहना है कि बिना गलती के उनकी गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है। चालक से पूछताछ की जा रही है।

घाटशिला उपचुनाव में आजसू की परीक्षा, 2024 हार के बाद एनडीए गठबंधन पर सवालों की नजर

रांची, एजेंसी। उपचुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल के रूप में आजसू पार्टी की भी परीक्षा होगी। इस कारण आजसू पार्टी इस उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरा दमखम लगा रही है।

कोल्हान प्रमंडल के आजसू नेताओं सहित स्वयं पार्टी प्रमुख सुदेश महतो वहां चुनाव प्रचार कर रहे हैं। भाजपा को उम्मीद है कि आजसू का वहां जितना भी जनाधार है, उसका लाभ उसके प्रत्याशी को मिलेगा।

यह उम्मीद इसलिए भी है, क्योंकि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान आजसू ने अपना जनाधार बताते हुए कोल्हान प्रमंडल की जिन सीटों पर अपना दावा किया था, उनमें तीन सीटें आजसू पार्टी को मिली थीं। भले ही तीनों सीटों पर इसकी हार हुई थी।

घाटशिला उपचुनाव में आजसू पार्टी की ओर से पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस तथा हरेलाल महतो भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन से दोनों नेता क्रमशः जुगसलाई विधानसभा सीट तथा ईचागढ़ से प्रत्याशी थे।

कुड़मी मतदाताओं की संख्या 10 हजार : एक ही प्रमंडल में इन विधानसभा क्षेत्रों के होने से घाटशिला में भी इन नेताओं का कुछ न कुछ प्रभाव है। घाटशिला में कुड़मी मतदाताओं की संख्या भी लगभग 10 हजार है। ऐसे में भाजपा को उम्मीद है कि



आजसू के साथ गठबंधन होने से इनके वोट उनके खाते में आएंगे।

हालांकि जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम द्वारा भी यहां प्रत्याशी देने से यह उम्मीद टूट भी सकती है। पिछले वर्ष के विधानसभा चुनाव में भी जेएलकेएम के प्रत्याशी रामदास मुर्मू ने 8,092 वोट हासिल किए थे।

कहा जाता है कि जेएलकेएम ने ये वोट आजसू पार्टी में सेंध लगाकर हासिल किए थे। रामदास मुर्मू इस बार भी चुनाव मैदान में हैं। घाटशिला उपचुनाव में भाजपा को आजसू के साथ गठबंधन से मिलने वाले लाभ पर इसलिए भी लोगों की नजरें रहेंगी, क्योंकि पिछले वर्ष के विधानसभा चुनाव में आए परिणाम के बाद आजसू पार्टी के साथ गठबंधन पर सवाल उठने लगे थे।

800 करोड़ के जीएसटी घोटाले के आरोपी की जब्त संपत्ति के अटैचमेंट पर जारी रहेगी रोक

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को जमशेदपुर में हुए 800 करोड़ रुपए से अधिक के जीएसटी घोटाले में आरोपी कारोबारी विक्की भालोटिया उर्फ अमित अग्रवाल की याचिका पर सुनवाई हुई। प्रार्थी ने अपनी जब्त संपत्ति के अटैचमेंट पर एडजुकेटिंग अथॉरिटी (निर्णायक प्राधिकरण) की फाइनल सुनवाई में आदेश जारी करने पर रोक लगाने का आग्रह किया था।

इस मामले में ईडी की ओर से जवाब दाखिल किया गया। इसके बाद प्रार्थी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की गई। अदालत ने आग्रह स्वीकार करते हुए विक्की भालोटिया की जब्त संपत्ति के अटैचमेंट पर एडजुकेटिंग अथॉरिटी, पीएमएलए की फाइनल सुनवाई में आदेश पारित करने पर लगी रोक को अगली सुनवाई तक जारी रखा है। अब मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी। इससे पहले प्रार्थी की ओर से अदालत को बताया गया था कि एडजुकेटिंग अथॉरिटी, पीएमएलए का कोरम अभी पूरा नहीं है, उसके तीन सदस्यों होने चाहिए थे, लेकिन अभी एक ही सदस्य हैं। ऐसे में उनकी जब्त संपत्ति के अटैचमेंट की फाइनल सुनवाई में आदेश पारित करने पर रोक लगाई जाए। मालूम हो कि शेल कंपनी बनाकर 800 करोड़ से अधिक की जीएसटी घोटाला के मामले में ईडी ने ईसीआईआर दर्ज करके जांच शुरू की थी। इस मामले में शिवकुमार देवड़ा, जमशेदपुर के जुगसलाई का कारोबारी विक्की भालोटिया, कोलकाता के कारोबारी अमित गुप्ता और मोहित देवड़ा को गिरफ्तार किया गया है।

कद्दू के छिलकों से गढ़ी अद्भुत रचना, देवघर के कलाकार को राष्ट्रीय स्तर पर किया गया सम्मानित

देवघर, एजेंसी। कहते हैं यदि मनुष्य का कला के प्रति प्रेम हो तो वह स्वयं उस कला का अंग बन जाता है और जब यह कला किसी कलाकार को अपना बना लेती है, तब संपूर्ण सृष्टि मानो उसकी अंगुलियों पर थिरकने लगती है। देवघर के प्रतिभाशाली कलाकार मार्कण्डेय जजवाड़े ऐसे ही अलौकिक कला-साधक हैं, जिन्होंने कद्दू के छिलकों में सृष्टि का सौंदर्य उकेर दिया है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी इस अनोखी कला के लिए सम्मानित मार्कण्डेय जजवाड़े आज उस मुकाम पर हैं, जहां उनका नाम देवघर ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड का गौरव बन चुका है।

मार्कण्डेय जजवाड़े बताते हैं कि कला उनके जीवन की सांस है। पिता के निधन के बाद उन्होंने साइन बोर्ड पेंटिंग से अपनी जीविका शुरू की। हाथ में तूलिका(सीढ़ी) और रंगों का डब्बा लिए उन्होंने दीवारों को कैनवास बना डाला। धीरे-धीरे यह रंग-राग एक आर्ट गैलरी में परिणत हुआ, जहां उन्होंने स्वयं के साथ अनेक नवोदित कलाकारों को प्रशिक्षित किया और उन्हें पहचान दिलाई।

जब वे अपने प्रयासों से कुछ स्थिर हुए, तो उन्होंने देश के विभिन्न आर्ट गैलरियों का भ्रमण आरंभ किया। दिल्ली के मंडी हाउस की दीर्घा में उनके रचनात्मक भावों ने कई



दर्शकों को चकित किया। यही एक दिन, उन्हें वह प्रेरणा मिली जिसने उनका जीवन बदल दिया।दिल्ली की एक ट्रेन में उन्होंने एक गायक को सितार लेकर बैठे देखा। पूछने पर ज्ञात हुआ कि वह सितार कद्दू के छिलकों से बना है। बस, यहीं से उनके मन में एक नवीन विचार अंकुरित हुआ कि क्यों न कद्दू और अन्य सब्जियों के छिलकों से मूर्तियों का निर्माण किया जाए।

देवघर लौटकर उन्होंने किसानों से संपर्क साधा और कद्दू एकत्र किए, लेकिन कठिनाई यह रही कि आधे से अधिक कद्दू सड़ जाते थे। फिर भी, जो बचे वही उनकी सृजन-यात्रा का आधार बने। उन्होंने उन आड़े-टेढ़े कद्दू के छिलकों में सृष्टि की रेखाएं ढूंढी और उन्हें रूप दिया। उनके हाथों में छिलके मानो जीवित हो उठते थे। कभी देवी का रूप, कभी शिल्प का सौंदर्य, कभी प्रकृति की मूक व्यंजना। उनकी यह अनूठी कला अब देश की सीमाएं लांघ चुकी हैं। हाल ही में दिल्ली की मणिकर्णिका आर्ट गैलरी में 10 से 20 अक्टूबर तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में मार्कण्डेय जजवाड़े को गोल्डन अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह क्षण न केवल उनके लिए, बल्कि झारखंड के लिए भी गर्व का विषय है।

पर विडंबना यह है कि जहां एक ओर देश-विदेश में उनके शिल्प की जय-जयकार हो रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार और देवघर प्रशासन ऐसे कलाकारों को वह सम्मान और संसाधन नहीं दे पा रहा है, जिसके वे हकदार हैं। संथाल क्षेत्र में अब तक कलाकारों की कृतियों को सहेजने के लिए एक भी सरकारी कला दीर्घा(आर्ट गैलरी) नहीं है। इस अभाव को पूरा करने के लिए मार्कण्डेय जजवाड़े ने अपने ही घर के एक हॉल को गैलरी में रूपांतरित कर दिया है, जिसे उन्होंने संथाल क्षेत्र के समस्त कलाकारों को समर्पित किया है। यह न केवल उनकी सृजनशीलता का प्रतीक है, बल्कि उनके विनम्र हृदय और कला-भक्ति का भी दर्पण है। अब प्रश्न यह उठता है कि जब देवघर की माटी से ऐसे रत्न निकल रहे हैं, तो उन्हें संवारने और संजोने का उत्तरदायित्व कौन लेगा यदि सरकार ऐसे कलाकारों को उचित मंच, संसाधन और संरक्षण दे, तो यह निश्चित है कि झारखंड की कला की दीप्ति विश्व के हर कोने में अपना रोशनी फैलाएगी।



इस बार छठ पूजा पर बन रहा है बेहद ही दुर्लभ संयोग

देशभर में हर पर्व व त्योहार को बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है और दिवाली के 6 दिन बाद छठ महापर्व आता है. जो कि बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों का एक महत्वपूर्ण व लोक आस्था का पर्व है. छठ पूजा का व्रत बहुत ही कठिन होता है और इस दौरान चार दिनों को विभिन्न परपंराओं के साथ इस पर्व को मनाया जाता है. इसके बाद कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि के दिन सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का पारण किया जाता है. इस साल छठ पूजा का पर्व 28 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा और इसकी शुरुआत 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ होगी. इस साल छठ पूजा पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं.

पहला दिन, 25 अक्टूबर 2025 - नहाय-खाय, इस दिन व्रती स्नान के बाद शुद्ध व सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं. इसमें मुख्य तौर पर चना दाल और लौकी की सब्जी होती है.

दूसरा दिन, 26 अक्टूबर 2025- खरना, छठ पूजा के दूसरे दिन खरना होता है और इस दिन व्रती गुड़ की खीर बनाकर उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हें. इस प्रसाद को ग्रहण करने के बाद उनका 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होता है.

तीसरा दिन, 27 अक्टूबर 2025 - संध्या अर्घ्य, तीसरे दिन व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं. इस दिन बांस के सूप में सभी प्रकार के फल व ठेकुआ रखकर पानी में खड़े होकर सूर्य देव का पूजन होता है और फिर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है.

अंतिम दिन, 28 अक्टूबर 2025 - उगते सूर्य को अर्घ्य, छठ पर्व के अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और इसके साथ ही व्रत का समापन होता है. इस दौरान सूर्य देव से सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की जाती है.

छठ पूजा पर बन रहा है दुर्लभ संयोग

वैदिक पंचांग के अनुसार 27 अक्टूबर को रात 10 बजकर 46 मिनट तक रवि योग रहेगा और इसे बेहद ही शुभ योग माना गया है. इसके अलावा छठ पूजा के दिन सुकर्मा योग भी बन रहा है जो कि पूरी रात रहेगा और इस योग में पूजा करने से शुभ फल प्राप्त होता है. इतना ही नहीं छठ पूजा के दिन पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र भी उपस्थित रहेगा. इन सभी योग व नक्षत्रों में सूर्य देव का अर्घ्य देने में सुख-समृद्धि, संतान प्राप्ति की कामना, आरोग्य और सौभाग्य की प्राप्ति होगी.

छठी पूजा का महत्व

छठ पूजा के दौरान सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस पूजा में भक्त गंगा नदी जैसे पवित्र जल में स्नान करते हैं। महिलाएं निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव और छठी माता के लिए प्रसाद तैयार करते हैं। दूसरे और तीसरे दिन को खरना और छठ पूजा कहा जाता है। महिलाएं इन दिनों एक कठिन निर्जला व्रत रखती हैं। साथ ही चौथे दिन महिलाएं पानी में खड़े होकर उगते सूरज को अर्घ्य देती हैं और फिर व्रत का पारण करती हैं।

छठ पूजा में भूलकर भी न करें ये गलतियां

- छठ पर्व के दिनों में भूलकर भी मांसाहारी चीजों का सेवन न करें। साथ ही छठ पूजा के दिनों में लहसुन व प्याज का सेवन भी न करें।
- इस दौरान व्रत रख रही महिलाएं सूर्य देव को अर्घ्य दिए बिना किसी भी चीज का सेवन न करें।
- छठ पूजा का प्रसाद बेहद पवित्र होता है। इसे बनाते समय भूलकर भी इसे जूठा न करें।
- पूजा के लिए बांस से बने सूप और टोकरी का ही इस्तेमाल करना चाहिए। पूजा के दौरान कभी स्टील या शीशे के बर्तन प्रयोग न करें।
- साथ ही प्रसाद शुद्ध घी में ही बनाया जाना चाहिए।





भगवान सूर्य और छठ माता को समर्पित है छठ पूजा का व्रत

भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटल आस्था का अनूठा पर्व छठ हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। मार्कण्डेय पुराण में छठ पर्व के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

यदि इस पर्व के नाम पर विचार करें तो स्पष्ट होता है कि इस पर्व के तिथिसूचक के अपभ्रंस या देशज रूप को ही इस पर्व की संज्ञा के रूप में अपनाया गया है. जैसे कि इसे मुख्य रूप से इसकी षष्ठी तिथी को होने वाली सूर्यदेव की अर्घ्य के लिए जाना जाता है. इस प्रकार षष्ठी तिथी के विशेष महत्व के कारण उसका अपभ्रंस छठ के रूप में हमारे सामने आता है. यूं तो इस पर्व में देवता के रूप में सूर्यदेव की ही प्रतिष्ठा है, पर तिथी के कारण ये छठ नाम से प्रसिद्ध हो गया है. चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है वैसे तो यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक मास में मनाया जाता है. पर इनमें तुलनात्मक रूप से अधिक प्रसिद्धि कार्तिक मास के छठ की ही है. हिंदू कैलेण्डर के अनुसार कार्तिक मास में दीपावली बीतने के बाद इस चार दिवसीय पर्व का आगाज हो जाता है. कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर ये पर्व कार्तिक शुक्ल सप्तमी को भोर की अर्घ्य देने के साथ समाप्त होता है. इस चार दिवसीय पर्व का आगाज 'नहाय खाय' नामक एक रस्म से होता है. इसके बाद खरना, फिर सांझ की अर्घ्य व अंततः भोर की अर्घ्य के साथ इस पर्व का समापन हो जाता है. यूं तो ये पर्व चार दिवसीय होता है, पर मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है. व्रती व्यक्ति द्वारा पानी में खड़े होकर सूर्य देव को ये अर्घ्य दिए जाते हैं. इसी क्रम में उल्लेखनीय होगा कि संभवतः ये अपने आप में ऐसा पहला पर्व है जिसमे कि डूबते और उगते दोनों ही सूर्यों को अर्घ्य दिया जाता है; उनकी वंदना की जाती है. सांझ-सुबह की इन दोनों अर्घ्यों के पीछे हमारे समाज में एक आस्था काम करती है. वो आस्था ये है कि सूर्यदेव की दो पत्नियां हैं- ऊषा और प्रत्युषा. सूर्य के भोर की किरण ऊषा होती है और सांझ की प्रत्युषा, अतः सांझ-सुबह दोनों समय अर्घ्य देने का उद्देश्य सूर्य की इन दोनों पत्नियों की अर्चना-वंदना होता है. छठ के गीत तो धुन, लय, बोल आदि सभी मायनों में एक अलग और अत्यंत मुग्धकारी वैशिष्ट्य लिए हुए होते हैं. 'कांच ही बांस के बहन्गियां', 'मरबो जे सुगवा धनुष से', 'केलवा के पात पर', 'पटना के घाट पर' आदि इस पर्व के कुछ सुप्रसिद्ध गीत हैं, जिन्हें तमाम गायकों द्वारा गाया भी जा चुका है. आलम यह कि जिसका वास्ता छठ से न हो, वह भी अगर इन गीतों को सुने और समझ सके तो इनके आकर्षण से नहीं बच सकता. केला, सेब, अन्नानस, आदि अनेक फलों के अतिरिक्त गन्ना और घर में बने ठेकुआ आदि चीजें इसके प्रसाद को भी विविधतापूर्ण और विशेष बनाती हैं.

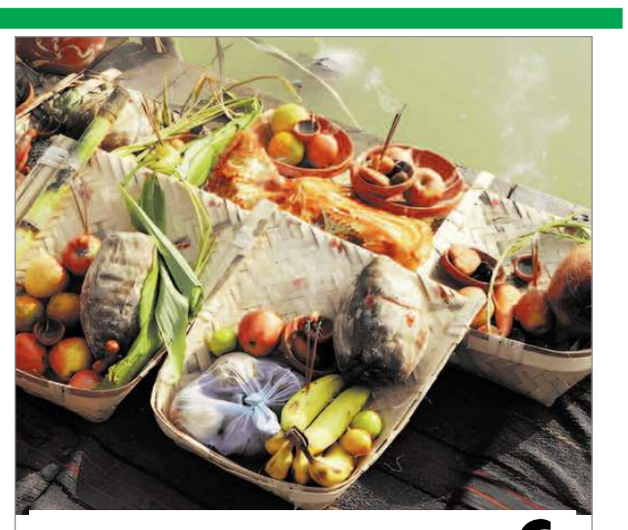
ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक

भारत के अधिकाधिक पर्वो की एक विशेषता ये भी है कि वो किसी न किसी पौराणिक मान्यता से प्रभावित होते हैं. छठ के विषय में भी ऐसा ही है. इसके विषय में पौराणिक मान्यताएं तो ऐसी हैं कि अब से काफी पहले रामायण अथवा महाभारत काल में ही छठ पूजा का आरम्भ हो चुका था. कोई कहता है कि सीता ने तो कोई कहता है कि कुंती या द्रोपदी ने सर्वप्रथम ये छठ व्रत और पूजा की थी. एक मान्यता यह भी है कि सर्वप्रथम महाभारत कालीन सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य का पूजन किया था, जिसके बाद यह परम्परा चल पड़ी. अब जो भी हो, पर इतना अवश्य है कि अगर आपको भारतीय शृंगार, परम्परा, शालीनता, सद्भाव, और आस्था समेत सांस्कृतिक समन्वय की छटा एकसाथ देखनी हो तो अर्घ्य के दिन किसी छठ घाट पर चले जाइए. आप वो देखेंगे जो आपके मन को प्रफुल्लित कर देगा.

प्रसाद में घर में बने ठेकुआ का विशेष महत्व है

इस पर्व का प्रभाव भारतीय राजनीति में भी व्यापक रूप से देखने को मिलता है. अब यूपी-बिहार तो खैर इस पर्व के गढ़ ही हैं, तो वहां तो नेताओं द्वारा इसके लिए घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा आदि की चाक-चौबंद व्यवस्था की ही जाती है, साथ ही राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे तमाम राज्यों जहां यूपी-बिहार के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है, में भी सरकारें छठ के पूरी तैयारी करती हैं. बिहार में तो अक्सर मुख्यमंत्री खुद ही सपरिवार छठ घाट पहुंचकर पूजन-अर्घ्य आदि करते हैं. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के यहां होने वाला छठ का भारी भरकम आयोजन तो खैर देश भर में ही प्रसिद्ध है. मोटे तौर पर जनसामान्य की मान्यता है कि ये सिर्फ स्त्रियों का पर्व है और काफी हद तक ये मान्यता सही भी है. पर इसके साथ ही ये भी एक सत्य है कि पुरुष के बिना इस पर्व की कई रस्मे अधूरी ही रह जाएंगी. उदाहरणार्थ इस पर्व की एक अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म जिसमे कि घर के पुरुष द्वारा पूजन सामग्री का डाल सिर पर उठाकर छठ के घाट तक ले जाया जाता है. पुरुष के होने की स्थिति में ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है. लिहाजा इसे सिर्फ स्त्रियों का पर्व कहना किसी लिहाज से सही नहीं लगता.





5 महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना अधूरा है पर्व

षष्ठी देवी, छठ माई या कहें कि सूर्य षष्ठी के अवसर पर पूजन में कोई भी कमी नहीं रहना चाहिए। यहां प्रस्तुत है 5 ऐसी महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना पर्व की परंपरा अधूरी मानी जाती है।

- छठ पूजा में बांस की टोकरी का विशेष महत्व होता है। इसमें अरघ्य का सामान पूजा स्थल तक लेकर जाते हैं और भेंट करते हैं।
- दूसरी चीज होती है ठेकुआ। गुड़ और गेहूं के आटे से बना ठेकुआ छठ पर्व का प्रमुख प्रसाद है। इसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है।
- गन्ना पूजा में प्रयोग किया जाना वाला प्रमुख सामग्री होता है। गन्ना से अरघ्य दिया जाता है और घाट पर घर भी बनाया जाता है।
- छठ पूजा में केला का प्रसाद के बिना पूजा अधूरी मानी जाती है । छठ में केले का पूरा गुच्छा छठ मइया को भेंट किया जाता है।
- शुद्ध जल और दूध का लोटा.यह अरघ्य देने के काम आएगा और अरघ्य ही इसी पूरी पूजा के केन्द्र में होता है।

छठ धार्मिक के साथ सांस्कृतिक पर्व भी

लोक आस्था का महापर्व है छठ। परम नियम-निष्ठा और सात्विकता के साथ चार दिवसीय यह पर्व नहाय-खाय से शुरू हो गया। रांची में बिहार, यूपी और झारखंड सहित अन्य प्रांतों के लोग भी इस पर्व को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

आस्था, श्रद्धा और विश्वास का पर्व है छठ पर्व। सूर्य की अराधना होती है, उपासना होती है। भारत वर्ष में जब कभी ऋतु परिवर्तन होता है तो उस समय एक न एक त्योहार अवश्य होता है। इस समय ठंड का मौसम दस्तक देने लगा है। उसकी तैयारी अर्थात उसके स्वागत की तैयारियों का प्रारंभ छठ व्रत उपवास से प्रारंभ हो जाता है। सूर्य दक्षिणायन होते है। जिससे तापमान मे कमी होने लगती है। छठ व्रत बिहार की संस्कृति का एक हिस्सा है। यह धार्मिक पर्व के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्व भी है। समय जरूर बदला है किंतु बिहार की संस्कृति नहीं बदली है। छठ के घाटों पर मेला लगा रहता है। बेहिचक लोग परिचित-अपरिचित सभी से प्रसाद की याचना करते हैं। इस प्रसाद को पाना ही बड़ी उपलब्धि मानते हैं तथा बड़ी श्रद्धा से ग्रहण करते हैं। केला, मूली, नींबू, नारियल, अदरक, ईख, गेहूँ के आटे से बना ठेकुआ, सबकुछ किसान खुद ही उपजाता था। जिस बाँस की टोकरी में अर्घ्य का यह सारा सामान रखा जाता है, वह भी खेती-किसानी करने वाले लोग खुद ही बना लेते थे। यह दीगर बात है कि शहरों में आ चुके पुरबिया लोगों को अब यह सारा सामान बाजार से खरीदना पड़ता है। लेकिन छठ पूजा का बाजार भी बिल्कुल अलग है। आज भी सारा सामान पटना और बनारस से आता है। जाहिर तौर पर छठ पूजा के रंग भी सबसे ज्यादा यही दिखाई देते हैं।

कौन हैं मां षष्ठी देवी

छठ पर्व पर सूर्य आराधना एवं षष्ठी देवी के पूजन का विशेष महत्व है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि षष्ठी देवी कौन हैं और क्योंकि पड़ा उनका यह नाम?

दरअसल मां षष्ठी देवी, मां कात्यायनी का ही रूप हैं और मां कात्यायनी, दुर्गा का छठा अवतार हैं। शास्त्रों के अनुसार देवी ने कात्यायन ऋषि के घर उनकी पुत्री के रूप में जन्म लिया, इस कारण इनका नाम कात्यायनी पड़ गया। षष्ठी तिथि के अलावा नवरात्र के छठे दिन कात्यायनी देवी की पूरे श्रद्धा भाव से पूजा की जाती है।

कैसा है षष्ठी देवी का स्वरूप

दिव्य रुपा कात्यायनी देवी का शरीर सोने के समाना चमकीला है। चार भुजा धारी मां कात्यायनी सिंह पर सवार हैं। अपने एक हाथ में तलवार और दूसरे में अपना प्रिय पुष्प कमल लिये हुए हैं। अन्य दो हाथ वरमुद्रा और अभयमुद्रा में हैं। इनका वाहन सिंह हैं। देवी कात्यायनी के नाम और जन्म से जुड़ी एक कथा प्रसिद्ध है।

क्यों पड़ा देवी का नाम कात्यायनी

एक कथा के अनुसार एक वन में कत नाम के एक महर्षि थे उनका एक पुत्र था जिसका नाम कात्य रखा गया। इसके पश्चात कात्य गोत्र में महर्षि कात्यायन ने जन्म लिया। उनकी कोई संतान नहीं थी। मां भगवती को पुत्री के रूप में पाने की इच्छा रखते हुए उन्होंने पराम्बा की कठोर तपस्या की। महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें पुत्री का वरदान दिया। कुछ समय बीतने के बाद राक्षस महिषासुर का अत्याचार अत्यधिक बढ़ गया। तब त्रिदेवों के तेज से एक कन्या ने जन्म लिया और उसका वध कर दिया। कात्य गोत्र में जन्म लेने के कारण देवी का नाम कात्यायनी पड़ गया।

षष्ठी देवी का सरल मंत्र

चंद्र हासोज्ज वलकरा शार्दू लवर वाहना
कात्यायनी शुभं दद्या देवी दानव घातिनि
मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी मानी गई हैं। शिक्षा प्राप्ति के क्षेत्र में प्रयासरत भक्तों को माता की अवश्य उपासना करनी चाहिए।

षष्ठी देवी मंत्र

षष्ठांशां प्रकृतेः शुद्धां सुप्रतिष्ठाण्च सुव्रताम।
सुपुत्रदां च शुभदां दयारूपां जगत्प्रसूम।।
श्वेतचम्पकवर्णाभां रत्नभूषणभूषिताम।
पवित्ररुपां परमां देवसेनां परां भजे।।



छठ पूजा पर तमिलनाडु में मनाते हैं सूरसम्हारम पर्व?

उत्तर भारत में जहां छठ पूजा का पर्व मनाया जाता है जिसमें सूर्यदेव की पूजा के साथ ही छठ मैया की पूजा की जाती है वहीं दक्षिण भारत में इसी दिन सूरसम्हारम पर्व मनाया जाता है जिसमें भगवान कार्तिकेय की पूजा की जाती है। क्या है इस पर्व को मानाने की पीछे की कथा?

भगवान कार्तिकेय को दक्षिण भारत में मुरुगन और स्कंद कहा जाता है। इसीलिए षष्ठी तिथि को स्कंद षष्ठी के रूप में जाना जाता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को कन्न षष्ठी कहते हैं। यह तमिल हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है। इस पर्व की शुरुआत कार्तिक माह की शुक्ल प्रतिपदा तिथि से ही हो जाती है जिसका समापन षष्ठी के दिन होता है। यानी छह दिवसीय उपवास का पालन किया जाता है। षष्ठी के दिन पर्व का समापन होता है जिसे सूरसम्हारम दिवस कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान मुरुगन ने सूरसम्हारम के दिन असुर सुरपद्मन को युद्ध में पराजित किया था। इसलिए तभी से बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश के रूप में प्रतिवर्ष सूरसम्हारम का त्योहार मनाते हैं। सूरसम्हारम के अगले दिन थिरु कल्याणम मनाया जाता है। थिरुचेन्दुर मुरुगन मंदिर में कन्द षष्ठी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है।

एलजी वाली लिस्टिंग के संकेत दे रहा यह आईपीओ, 29 अक्टूबर से ओपन



नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ पर दांव नहीं लगा पाए हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगले हफ्ते एक और मेनबोर्ड आईपीओ ओपन हो रहा है। यह आईपीओ ग्रे मार्केट में एलजी इंडिया की तरह ही प्रदर्शन कर रहा है। हम बात कर रहे हैं ओर्कला इंडिया आईपीओ की। कंपनी का आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक खुला रहेगा। ओर्कला इंडिया आईपीओ का साइज 1667.54 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 2.28 करोड़ शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी करेगी। कंपनी के मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी घटाएंगे। ओर्कला इंडिया आईपीओ फ्रेश शेयर नहीं जारी करेगी। जिसका मतलब हुआ कि इश्यू से जुटाए पैसों का प्रयोग कंपनी के काम में नहीं आएगा।इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 145 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। जोकि 19.86 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। अगर ग्रे मार्केट की मौजूदा स्थिति बरकरार रही तो ओरक्ला इंडिया आईपीओ शेयर बाजारों में 875 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। ओर्कला इंडिया आईपीओ का प्राइस बैंड कंपनी ने 695 रुपये से 730 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया है। कंपनी ने 20 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14600 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 69 रुपये की छूट दी है। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35 प्रतिशत और एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा।

सोने की बदौलत विदेशी मुद्रा भंडार फिर पहुंचा 700 अरब डॉलर के पार

- *17 अक्टूबर 2025 को इसका भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था।*



मुंबई, एजेंसी। याद कीजिए दिवाली से पहले का सप्ताह। बीते शनिवार को धनतेरस था और उससे एक दिन पहले यानी शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 को इसका भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था। इसका फायदा रिजर्व बैंक को मिला। उसके स्वर्ण भंडार में 6.181 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। इस वजह से अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भी बढ़ोतरी हुई। इससे पहले तो लगातार चार सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी ही हुई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 17 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.496 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 2.176 बिलियनकी कमी हुई थी। अब अपना भंडार बढ़ कर 702.280बिलियन तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियनके रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है। 17 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने एफसीए में 1.692 बिलियन की कमी हुई है।

बढ़ ही रहा है गोल्ड रिजर्व

दिवाली से पहले सोने की कीमत आसमान में चली गई थी। धनतेरस से एक दिन पहले यानी 17 अक्टूबर 2025 को 24 कैरेट सोने का भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था। इस वजह से रिजर्व बैंक के भंडार में जितना सोना है, उसका भी वैल्यू बढ़ गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में 6.181 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 3.595 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार बढ़ कर यूएसडी 108.546 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि इस समय आरबीआई के पास सोने का भंडार 880 टन के पार चला गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का 14.7 फीसदी से कुछ ज्यादा बैठता है।

सरकार ने एनपीएस और यूपीएस के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए दो और निवेश विकल्प जोड़े



नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए दो निवेश विकल्पों, जीवन चक्र और संतुलित जीवन चक्र के विस्तार को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को यह एलान किया। सरकार का यह फैसला केन्द्र सरकार के कर्मचारियों की ओर से गैर-सरकारी अंशदाताओं के लिए उपलब्ध निवेश विकल्पों के समान व्यापक श्रेणी की लगातार मांग के बाद लिया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये विकल्प सेवानिवृत्ति योजना में लचीलापन बढ़ाने और कर्मचारियों को व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुसार अपनी सेवानिवृत्ति निधि का प्रबंधन करने की सुविधा देने के लिए तैयार किए गए हैं।

एनपीएस और यूपीएस के अंतर्गत, केंद्र सरकार के कर्मचारी अब निवेश के विभिन्न विकल्पों में से चुन सकते हैं। इसमें डिफ़ॉल्ट विकल्प के तहत पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की ओर से समय-समय पर परिभाषित निवेश का एक डिफ़ॉल्ट पैटर्न तय किया गया है। इसके तहत दूसरा विकल्प स्कीम जी है, जिसमें 100 प्रतिशत निवेश कम जोखिम, निश्चित रिटर्न के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में किया जाएगा। जीवन चक्र (एलसी-25) विकल्प के अंतर्गत अधिकतम इक्विटी आवंटन 25 प्रतिशत होगा, जो 35 वर्ष की आयु से 55 वर्ष की आयु तक धीरे-धीरे कम होता जाता है।

जर्मनी-यूके को छूट, भारत पर निशाना क्यों सभा में पीयूष गोयल की पश्चिमी नेताओं को हिदायत

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की चर्चा के बीच केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बर्लिन ग्लोबल डायलॉग सम्मेलन में शुक्रवार को पश्चिमी देशों करारा जवाब दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जर्मनी खुद ही अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है और ब्रिटेन को पहले ही मिल चुका है, तो भारत को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल की ये बात सुनकर वहां मौजूद यूके की ट्रेड मंत्री क्रिस ब्रायंट ने कहा कि उनकी छूट केवल रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी के लिए है। ऐसे में गोयल ने पलटवार



करते हुए कहा कि भारत के पास भी तो रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी है, फिर हमें क्यों उनकी बात सुनकर बैठक में नेता कुछ देर के लिए चुप रह गए। गोयल ने जोर देकर कहा कि भारत अपनी आर्थिक नीतियों में स्वतंत्र और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखता है और किसी बाहरी दबाव में समझौता नहीं करेगा।

प्रतिबंध लगाकर क्या हासिल करना चाहता है अमेरिका

बता दें कि रूस तेल से खरीद को लेकर अमेरिका लगातार प्रतिबंधों की धमकी दे रहा है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड का मानना है कि भारत जैसे देशों पर दबाव डालने से रूस कमजोर होगा और यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर मजबूर होगा, जबकि हाल ही में यूरोपीय संघ ने तीन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए और अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों रॉसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए। इस दौरान पीयूष गोयल ने इस बात भी जोर दिया कि भारत हमेशा से ही अपनी स्वतंत्र व्यापार नीति पर चलता है और हमारे लिए हमारा राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। उन्होंने कहा कि हम कभी किसी 'डेडलाइन' या 'सिर पर तनी बंदूक' के दबाव में समझौता नहीं करेंगे।

11 अरब डॉलर स्वाहा! हफ्ते के आखिरी दिन लुट गए एलन मस्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के लिए शुक्रवार का दिन भारी रहा। अमेरिकी शेयर बाजार में रेकॉर्ड तेजी के बावजूद इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 3.4 प्रतिशत गिरावट आई। इस कारण मस्क की नेटवर्थ में 11 अरब डॉलर यानी करीब 9,66,06,40,00,000 की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 451 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18 अरब डॉलर की तेजी आई है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से 8 की नेटवर्थ में शुक्रवार को तेजी रही।ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन ने इस साल सबसे ज्यादा 151 अरब डॉलर की कमाई की है। एलिसन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 2.82 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 343 अरब डॉलर पहुंच गई। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फेसबुक के मार्क जकरबर्ग तीसरे (260 अरब), ऐमजॉन के जेफ बेजोस (247 अरब) चौथे, लैरी पेज (227 अरब) पांचवें, सर्गेई ब्रिन (212 अरब) छठे, बर्नार्ड आरनॉल्ट (195 अरब) सातवें, स्टीव बालमर (180 अरब) आठवें, जेंसन हुआंग (162 अरब) नौवें और माइकल डेल (159 अरब) दसवें नंबर पर हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 103 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 18वें नंबर पर जमे हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 11.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई।

दो दोस्तों ने खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

ई दिल्ली, एजेंसी। आजकल फेंके हुए कपड़े ौर फास्ट फैशन का कचरा लैंडफिल में जमा ाता जा रहा है। ऐसे समय में दो युवा उद्यमियों यंक सिंह और आयुष सक्सेना ने कबाड़ से सा बिजनेस खड़ा किया है जो जबरदस्त मई करा रहा है। उनका स्टार्टअप टूयूज्ड ोगों को पुराने कपड़े, चमड़े का सामान, जूते ौर इलेक्ट्रॉनिक्स रीसायकल करने की ुविधा देता है। इसके बदले में उन्हें क्रेडिट लते हैं, जिन्हें वे नकद या वाउचर के रूप में स्तेमाल कर सकते हैं।

टूयूज्ड की स्थापना साल 2023 लिटफ्लाई डायरेक्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट मिटेड के नाम से हुई थी। यह कंपनी गुड़गांव हरियाणा) में स्थित है। मयंक इसके सीईओ और टेक्नोलॉजी व लॉजिस्टिक्स संभालते । वहीं आयुष सीबीओ हैं और ऑपरेशन्स खते हैं। शुरुआत में यह बिजनेस-टू-ंज्यूमर मॉडल पर काम कर रहा था, लेकिन प्रैल 2025 में यह (बिजनेस-टू-जनेस) में भी फैल गया।

कैसे काम करती है कंपनी: यह कंपनी न परिवारों और व्यवसायों से कपड़े इकट्ठा



करती है जो अपने पुराने सामान से छुटकारा पाना चाहते हैं। जो कपड़े पहनने लायक होते हैं, उन्हें लगभग 6,000 खरीदारों और एनजीओ को बेचा जाता है। ये खरीदार टियर-2 और टियर-3 शहरों में सप्लाई करते हैं बड़े ब्रांड के कपड़े उन लोगों के लिए भी किफायती हो जाते हैं जो शायद उन्हें असली कीमत पर नहीं खरीद पाते।

जो कपड़े इस्तेमाल के लायक नहीं होते, उन्हें रीसायकल करके टिकाऊ फैब्रिक बनाया जाता है। यह फैब्रिक उत्तर भारत, पंजाब, कोलकाता, अहमदाबाद और नासिक के खरीदारों को बेचा जाता है। टूस्डग्राहक के टूस्ड वॉलेट में क्रेडिट पॉइंट जोड़ देता है। एक क्रेडिट एक रुपये के बराबर है। इन क्रेडिट पॉइंट्स का इस्तेमाल फ्लिपकार्ट, जोमैटो, स्विगी आदि जैसे लगभग 200 ब्रांड्स से कुछ भी खरीदने के लिए किया जा सकता है। औसतन एक बॉक्स ग्राहक के लिए 400 से 600 रुपये के वाउचर के बराबर होता है।

ऑनलाइन डिलीवरी का ऑप्शन

व्यक्तियों के लिए प्रक्रिया समझाते हुए मयंक कहते हैं कि उन्हें बस ऐप डाउनलोड करना है और ऐप पर ऑर्डर देना है। एक या दो दिन के अंदर उनके दरवाजे पर 24×24 इंच का एक कार्टन डिलीवर किया जाएगा, जिस पर रिवर्स शिपिंग लेबल छपा होगा।टूस्ड अपने ग्राहकों को इस बैग को तैयार करने के लिए कुछ समय देता है। जब यह तैयार हो जाता है, तो लॉजिस्टिक्स पार्टनर आकर उसे दो से तीन दिनों में टूस्ड ऑफिस भेज देता है। जब कार्टन अक्षय फैसिलिटी में पहुंचता है, तो वहां की टीम कपड़ों को रंग, आकार और मटेरियल के हिसाब से अलग करती है।टूस्डऐप ग्राहकों को ट्रैकर की सुविधा भी देता है, जिससे वे कार्बन उत्सर्जन कम करने में अपने योगदान का प्रभाव देख सकते हैं। इस कार्टन के बदले में (जिसमें आमतौर पर 15 से 20 कपड़े होते हैं)।

प्रति व्यक्ति अधिक आय के बावजूद दक्षिण भारतीय कर्ज लेने में आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के ग्रामीण, कम शिक्षित और छोटे परिवार कर्ज के बोझ में ज्यादा डूबे हैं। शहरी, अधिक पढ़े-लिखे और तुलनात्मक रूप से बड़े परिवार कर्ज के मोर्चे पर इनसे बेहतर स्थिति में हैं। देश के पुरुषों के मुकाबले महिलाएं बेहतर स्थिति में हैं और उन पर कर्ज काफी कम है।



सांख्यिकी मंत्रालय की अर्धवार्षिक पत्रिका सर्वेक्षण के ताजा अंक में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में रहने वाले 15 फीसदी परिवारों पर किसी न किसी तरह का कर्ज है, जबकि शहरों में यह हिस्सा 14 फीसदी है।वहीं, 15 फीसदी गैर-शिक्षित और 15.7 फीसदी प्राथमिक या माध्यमिक तक पढ़े-लिखे परिवार कर्ज में डूबे हुएहैं, जबकि उच्च शिक्षित परिवारों में यह आंकड़ा सिर्फ 13.2 फीसदी है।

अध्ययन के मुताबिक, चार लोगों से कम संख्या वाले देश के 17.8 फीसदी परिवार कर्ज तले दबे हैं।यह अपेक्षाकृत बड़े परिवारों की तुलना में अधिक है।अधिकतम आठ लोगों की संख्या वाले सिर्फ 10 फीसदी परिवारों पर ही किसी न किसी तरह का कर्ज है।महिलाओं के मोर्चे पर यह आंकड़ा सिर्फ 9.1 फीसदी है।इनकी तुलना में देश के 20 फीसदी पुरुषों पर किसी न किसी तरह का बकाया कर्ज है।अध्ययन के मुताबिक, देश के 32 फीसदी स्वरोजगार लोग कर्ज तले दबे हुए हैं, जो सबसे ज्यादा है। कर्ज लेने वाले वेतनभोगियों की हिस्सेदारी 22.8 फीसदी है। 22.5 फीसदी दिहाड़ी श्रमिकों और हेल्पर के रूप में काम करने वाले 13.4 फीसदी लोगों ने कोई न कोई कर्ज ले रखा है। जो लोग कोई कार्य नहीं करते हैं या काम के लिए उपलब्ध हैं।

दो दोस्तों ने पुराने कपड़ों से खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

- *रूस के बदले अमेरिका और पश्चिम एशिया से ज्यादा तेल खरीदेगा भारत, 21 नवंबर से प्रतिबंध लागू*

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका की ओर से रूस के दो बड़े तेल उत्पादकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारत अब रूस के बदले पश्चिम एशिया, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, कनाडा, ब्राजील आदि से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकता है। हालांकि यहां से ढुलाई की लागत बढ़ जाएगी जिससे आयात बिल में वृद्धि होगी। अभी भारत रोज रूस से 17 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात करता है और केंद्र सरकार के सूत्रों का कहना है अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने की तिथि 21 नवंबर तक यही स्थिति बनी रह सकती है। मगर इसके बाद इसमें कमी आने लगेगी।

भारत के सरकारी और निजी रिफाइनरियां अभी रोसनेफ्ट और लुकोइल से करीब 12 लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीदती हैं। इनमें से अधिकांश मात्रा निजी रिफाइनरियों, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी की है।

प्रतिबंध लागू होने के बाद यह खरीद बंद करनी होगी क्योंकि रूस की इन कंपनियों के साथ प्रत्यक्ष या परोक्ष खरीद करने वाली कंपनियां भी अमेरिकी प्रतिबंध के दायरे में आ जाएंगी। केप्लर के प्रमुख



रिटोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल का प्रवाह 16 से 18 लाख बैरल प्रतिदिन बना रह सकता है। लेकिन इसके बाद रोसनेफ्ट और लुकोइल से आने वाले तेल की मात्रा में प्रत्यक्ष गिरावट दिखेगी, क्योंकि भारतीय रिफाइनर अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहेंगे।

कंपनियों के पास कम होंगे विकल्प: सूत्रों ने बताया कि रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स, जिसका रोसनेफ्ट के साथ 5 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदने का 25 साल का अनुबंध है, इस अनुबंध से बाहर आने वाली पहली कंपनी हो सकती है। इसी तरह यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण अन्य जगहों से आपूर्ति कम होने के बाद पूरी तरह रूसी तेल पर निर्भर नायरा के पास भी बहुत कम विकल्प बचेंगे। रिटोलिया ने कहा, फिर भी, रिफाइनर तीसरे पक्ष के मध्यस्थों के माध्यम से अप्रतिबंधित रूसी तेल प्राप्त करना जारी रखेंगे, हालांकि इसमें पूरी सावधानी बरती जाएगी।

रिलायंस के सामने सबसे बड़ी चुनौती

रिटोलिया ने बताया, रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) सबसे तात्कालिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। रोसनेफ्ट के साथ अपने अनुबंधों के प्रभावित होने के कारण, आरआईएल को परिचालन निरंतरता बनाए रखते हुए ओएफएसी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तीसरे पक्ष से तत्काल खरीद की ओर रुख करना होगा। उसे अपनी आपूर्ति और वित्तीय श्रृंखलाओं को फिर से तैयार करना होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. ने कहा, हमने ईयू, ब्रिटेन और अमेरिका की ओर से रूसी कच्चे तेल खरीद और तैयार उत्पाद के यूरोप में निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखा है। रिलायंस अभी नए कंप्लाएंस अनिवार्यताओं समेत अन्य प्रभाव का आकलन कर रही है। हम तैयार उत्पाद के यूरोप निर्यात के बारे में ईयू के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे।

आईपीओ से पहले लेंसकार्ट में दमानी का बड़ा दांव, 90 करोड़ का किया निवेश



नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक और एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के मालिक राधाकिशन दमानी ने एक बड़ा दांव लगाया है। जानकारी के मुताबिक दमानी ने आईवियर कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में करीब 90 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब लेंसकार्ट अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। ऐसा माना जा रहा है कि लेंसकार्ट का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए अगले सप्ताह खुलेगा। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार लेंसकार्ट नए इक्विटी शेयर जारी कर 2150 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसके अलावा कंपनी के प्रवर्तक एवं निवेशक 13.22 करोड़ शेयर बेचेंगे। आईपीओ में ऑफर फॉर सेल के तहत कंपनी के प्रमोटर- पीयूष बंसल, नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमित कपाही अपने शेयर बेच रहे हैं। निवेशक शेयरधारकों में एसवीएफ ढ्ढढ्ढ लाइटबल्ब (केमेन) लिमिटेड, स्क्रोडरे कैपिटल प्राइवेट इक्विटी एशिया मॉरिशस लिमिटेड, पीआई ऑपर्च्युनिटीज फंड-ढ्ढढ्ढ, मैक्रिची इनवेस्टमेंट्स, केदारा कैपिटल फंड ढ्ढढ्ढ और अल्फा वेव वेंचर्स एलपी अपने शेयर बेच रहे हैं। लेंसकार्ट ने बताया था कि आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कंपनी द्वारा संचालित और कंपनी के मालिकाना हक वाले नये स्टोर शुरू करने लीज, किराया और लाइसेंस समझौते के भुगतान के लिए किया जायेगा। इसके साथ ही टेक्नोलॉजी, क्लाउड संबंधी इंफा, ब्रांड के विपणन और कारोबार के प्रमोशन के लिए किया जाएगा। बता दें कि लेंसकार्ट की स्थापना 2008 में की गई। 2010 में एक ऑनलाइन आईवियर प्लेटफॉर्म के रूप में इसने शुरुआत की और 2013 में नयी दिल्ली में अपना पहला बिक्री केंद्र खोला। आईवियर कैटेगरी में देश के सबसे

सिएटल स्टॉर्म ने सोनिया रमन को बनाया मुख्य कोच, डब्ल्यूएनबीए में जिम्मेदारी संभालने वाली पहली भारतीय



न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल की सोनिया रमन ने इतिहास रच दिया। सोनिया को महिला नेशनल बास्केटबॉल (डब्ल्यूएनबीए) की टीम सिएटल स्टॉर्म का मुख्य कोच बनाया गया है। वह इस प्रतियोगिता में किसी टीम की मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। हालांकि, इसकी अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रमन पिछले सत्र में न्यूयॉर्क लिबर्टी में सहायक कोच बनने से पहले चार साल तक एनबीए के मेम्फिस ग्रिजलीज में सहायक कोच थीं। वह डब्ल्यूएनबीए में मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली कोच होंगी। सिएटल ने पिछले महीने कोच नोएल क्विन को बर्खास्त कर दिया था। ईएसपीएन ने सबसे पहले इस नियुक्ति की सूचना दी। इस नियुक्ति के साथ न्यूयॉर्क एकमात्र ऐसी टीम है जिसके पास अभी भी कोई मुख्य कोच नहीं है। रमन का कोचिंग करियर एमआईटी से शुरू हुआ, जहां वह 2008 से 2020 तक मुख्य कोच रहीं। उन्होंने इस स्कूल को दो बार डिवीज़न तीन एनसीएए टूर्नामेंट में पहुंचाया और प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल कोच बनी।

पैन पैसिफिक ओपनः एलिना रयबाकिना ने सेमीफाइनल से नाम लिया वापस, जानिए कारण



टोक्योः 2022 विम्बलडन चैम्पियन एलिना रयबाकिना ने पैन पैसिफिक ओपन सेमीफाइनल मैच से पहले नाम वापस ले लिया। यह घोषणा क्वार्टरफाइनल में जीत दर्ज करने के एक दिन बाद की गई, जिसमें रयबाकिना ने अपनी शानदार फॉर्म दिखाई थी और फाइनल्स के लिए अंतिम स्थान हासिल किया था।

पीठ की समस्या बनी बाधा

रयबाकिना ने बयान में कहा, मुझे बहुत खेद है कि मैं आज मैच नहीं खेल सकती। इस सप्ताह मेरी पीठ में लगातार दर्द बना हुआ था और मैं 100% प्रदर्शन नहीं कर सकती। यह चोट उन्हें आगामी सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ खेलने से रोक रही है।

क्वार्टरफाइनल की शानदार जीत

रयबाकिना ने शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में विक्टोरिया म्बोको को 6-3, 7-6 (4) से हराकर फाइनल्स में प्रवेश किया। इस जीत ने उन्हें प्रतियोगिता के शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल कर दिया।रयबाकिना के लिए यह सप्ताह कठिन रहा क्योंकि चोट ने उनके फिजिकल प्रदर्शन को प्रभावित किया। विशेषज्ञों का मानना है कि फाइनल्स में उनका फिट रहना और अच्छे प्रदर्शन की संभावना पूरी तरह उनके स्वास्थ्य पर निर्भर करेगी।टोक्यो टूर्नामेंट से बाहर होने के बावजूद, रयबाकिना ने अपनी कड़ी मेहनत और रणनीति के दम पर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर अपनी क्षमता साबित की है।

भारत ने 9 विकेट से जीता सिडनी वनडे



रोहित शर्मा 121 और विराट कोहली 74 पर रहे नाबाद

सिडनी, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा व आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने सीरीज में क्लीन स्वीप को टाला और सीरीज 2-1 पर समाप्त हुई।

भारत के लिए इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। रोहित ने शतकीय पारी खेली और विराट ने शानदार पचासा लगाया। रोहित शर्मा इस पारी में 121 रन बनाकर नाबाद रहे और विराट कोहली ने 74 रनों की नाबाद पारी खेली। इसी के साथ दोनों खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ नंबर है अभी यह दोनों खिलाड़ी भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक खेलने को तैयार हैं।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 236 रन पर ढेर हो गई थी। मेजबान टीम 46.4 ओवर में ही सिमट गई। हर्षित राणा के नाम सबसे ज्यादा चार विकेट दर्ज हुए। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने दो विकेट झटके थे। इसके अलावा सिराज, अक्षर, कुलदीप और कृष्णा को 1-1 विकेट मिला था।

इस सीरीज के पहले दोनों मैचों में पर्थ और एडिलेड के मैदान पर भारत को हार का सामना करना पड़ा था। अब तीसरे मैच में कप्तान शुभमन गिल की भी साख दांव पर थी जहां भारत को रोहित और विराट ने आसान जीत दिलाई। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की नाबाद साझेदारी की और भारत को बेहतरीन जीत दिलाई।

चेज करते हुए विराट कोहली ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड, रोहित के साथ 19वीं बार 100+ रन की साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में शून्य पर आउट होने वाले विराट कोहली आखिरकार अंतिम मुकाबले में वापसी करने में कामयाब रहे। उन्होंने 56 गेंदों में करियर के 75वें अर्धशतक के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बता दें कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 237 रनों का लक्ष्य रखा, जिसे टीम इंडिया ने रोहित-कोहली की 150 से ज्यादा रनों की साझेदारी के दम पर नौ विकेट के शेष रहते हासिल कर लिया।

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50+ स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वनडे में 70वीं बार चेज करते हुए 50+ स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50+ स्कोर किए हैं। रोहित और कोहली की जोड़ी वनडे में 101वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरी। इन दोनों ने वनडे में 101 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5300 से अधिक रन बनाए हैं। भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले यह दूसरी जोड़ी है। इन दोनों से आगे इस प्रारूप में बस सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की जोड़ी है जिन्होंने 8227 रनों की साझेदारी की है। रोहित और कोहली के बीच इस दौरान 19 बार शतकीय और 18 बार ही 50+ रनों की साझेदारी हुई है।

ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक बार वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने रोहित, कोहली-संगकारा को पीछे छोड़ा

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। रोहित ने 105 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 33वां सैकड़ा पूरा किया। कोहली और रोहित के बीच दूसरे विकेट के लिए 130+ रनों की साझेदारी पूरी हो गई है। रोहित इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया में वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य रखा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी 46.4 ओवर में 236 रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। इसे हेजलवुड ने गिल को आउट कर तोड़ा। गिल 26 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर रोहित और कोहली का बल्ला गरजा। रोहित ने पहले वनडे करियर का 60वां अर्धशतक पूरा किया और फिर शानदार पारी जारी रखते हुए शतक लगाया। रोहित ने अपनी इस शतकीय पारी के दम पर कई उपलब्धियां हासिल कर ली है।

अगले महीने केरल दौरे पर नहीं आएंगे लियोनल मेसी, अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोच्चि में मैच स्थगित

कोच्चि, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी को खेलते देखने को उत्सुक भारतीय प्रशंसकों को निराशा मिली है क्योंकि यह खिलाड़ी अगले महीने केरल दौरे पर नहीं आएगा। इस मैच के आयोजन ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी।

आयोजक ने की पुष्टि

ऑगस्टीन ने हालांकि अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट कर यह घोषणा की है कि अर्जेंटीना का यह मैत्री मैच अगले महीने नहीं होगा। ऑगस्टीन ने लिखा, फीफा की अनुमति मिलने में देरी को देखते हुए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ चर्चा के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी।



केरल के खेल मंत्रालय को आधिकारिक सूचना नहीं

केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग संबंधित अधिकारियों से बात करेगा और कार्यक्रम में बदलाव की पुष्टि करेगा। इससे पहले एएफए के प्रतिनिधियों ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा किया था।

विश्व कप में नहीं खेल सकेंगी महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, नाक की कराएंगी सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्रेटर नोएडा में अगले माह होने वाले विश्व कप फाइनल्स से पहले भारतीय मुक्केबाजी टीम को बड़ा झटका लगा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन नहीं खेलेंगी। विश्व कप फाइनल्स में प्रत्येक भार वर्ग में दुनिया के शीर्ष आठ मुक्केबाज ही खेलने उतरेंगे।

लवलीना ने विश्व कप फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया था और वह यहां पदक की भी दावेदार थीं, लेकिन नाक की बढ़ी हुई हड्डी के कारण उन्होंने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला लिया है। वह अपनी नाक की सर्जरी कराने जा रही हैं। लवलीना विश्व कप फाइनल्स की तैयारियों के लिए एनआईएस पटियाला में चल रहे तैयारी शिविर में भी शामिल नहीं हुईं। 2023 की विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता लवलीना ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ को इस टूर्नामेंट में नहीं खेलने के बारे में सूचित कर दिया है। उनके भार वर्ग 75 किलो में अब पूर्व विश्व चैंपियन स्वीटी इस टूर्नामेंट में खेलने उतरेंगी।



निकहत, जैस्मिन, मीनाक्षी खेलेंगी

चैंपियनशिप में दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51), लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57), इसी चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली मीनाक्षी हुड्डा (48), रजत जीतने वाली नुपुर श्योराण (+80) और कांस्य जीतने वाली पूजा रानी (80) शीर्ष 8 में रहते हुए विश्व कप फाइनल्स में खेलेंगी।

सभी भार वर्गों में खेलेंगे भारतीय मुक्केबाज

पुरुष वर्ग में जदुमणि सिंह और अभिनाष जामवाल ने ही क्वालिफाई किया है, लेकिन मेजबान देश होने के नाते भारत को पुरुष-महिला वर्ग के सभी 10-10 भार वर्गों में वर्ल्ड बॉक्सिंग ने अनुमति दी है। भारत इकलौता देश होगा जो सभी भार वर्गों में मुक्केबाज उतारेगा।

पाकिस्तान खिलाड़ियों को पीसीबी ने दी बड़ी राहत, इस विदेशी लीग में खेल सकेंगे खिलाड़ी; एनओसी विवाद सुलझा



कराची, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने खिलाड़ियों को बड़ी राहत देने जा रहा है। स्टार बल्लेबाज बाबर आजम सहित शीर्ष पाकिस्तानी क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया की आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) में भाग ले सकेंगे, क्योंकि पीसीबी ने उन्हें भागीदारी के लिए मंजूरी दे दी है। इस तरह कई हफ्तों से चली आ रही अनिश्चितता समाप्त हो गई है, जिसने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और फ्रेंचाइजी टीमों को चिंतित कर दिया था।

पीसीबी ने एनओसी किया था निलंबित

संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप फाइनल में भारत से पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी ने विदेशी टी20 लीग में खेलने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) को निलंबित कर दिया था। अब मौजूदा अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए इसे अपवाद बना दिया गया है, जिससे वे टूर्नामेंट में खेल सकेंगे। बीबीएल के 15वें संस्करण के लिए सात राष्ट्रीय खिलाड़ियों की पुष्टि हो गई है। बीबीएल का आगामी सीजन 14 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक चलेगा और इसमें 44 मैच खेले जाएंगे। इन पाकिस्तानी खिलाड़ियों में बाबर आजम, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, शादाब खान, मोहम्मद रिजवान, हसन अली और हसन खान शामिल हैं।

सिडनी सिक्सर्स के लिए डेब्यू करेंगे बाबर आजम

बाबर आजम पर्थ स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ पहले मैच में सिडनी सिक्सर्स के लिए अपना बीबीएल डेब्यू करेंगे। शाहीन अफरीदी को ब्रिस्बेन हीट ने अपनी पहली विदेशी प्लैटिनम पिक के रूप में साइन किया है, मोहम्मद रिजवान मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलेंगे, हारिस रऊफ मेलबर्न स्टार्स के साथ बने रहेंगे, शादाब खान सिडनी थंडर में शामिल होंगे, हसन अली को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने ड्राफ्ट किया है और हसन खान भी रेनेगेड्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टेस्ट कप्तान मसूद को सौंपी अतिरिक्त जिम्मेदारी, इस मामले का सलाहकार बनाया

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने टेस्ट कप्तान शान मसूद को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। पीसीबी ने मसूद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और खिलाड़ी मामलों का सलाहकार नियुक्त किया है। यह पहली बार है जब किसी वर्तमान टेस्ट कप्तान को बोर्ड में किसी अन्य पद पर नियुक्त किया गया है। पीसीबी ने शुक्रवार रात शान की नियुक्ति की घोषणा की।

इस बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया है कि क्या शान मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संचालन निदेशक का पद भी संभालेंगे। पीसीबी ने इस पद के लिए विज्ञापन दिया है और आवेदन करने की अंतिम तिथि दो नवंबर है। इससे पहले पीसीबी ने शान से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संचालन का नया निदेशक बनने के लिए पूछा था जबकि वह डब्ल्यूटीसी चक्र में भी टीम का नेतृत्व करते रहेंगे।

बोर्ड के भीतर चर्चा के बाद शुक्रवार को एक सूत्र ने कहा कि इस बात पर स्पष्ट सहमति थी कि शान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मामलों के विभाग का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं।

सरफराज के समर्थन में उतरे शार्दुल, बोले- घरेलू क्रिकेट से राष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई टीम के कप्तान शार्दुल ठाकुर सरफराज खान के समर्थन में उतरे हैं जिन्हें पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला है। शार्दुल का कहना है कि सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए भारत ए दौरा खेलने की जरूरत नहीं है। शार्दुल ने भरोसा जताया कि यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है।

भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में डेब्यू करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की सीरीज के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था।

भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई के कप्तान शार्दुल ने कहा, आजकल भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं।



मुंबई के रणजी सत्र के शुरुआती मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज का शार्दुल ने बचाव करते हुए कहा, वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में दम दिखाया और पिछले कुछ दिनों में अपना वजन भी कम कर लिया है। इसके बावजूद उन्हें मौका नहीं मिलने से फैंस हैरत में हैं। हालांकि, इसका दूसरा पहलू भी है और अगर अजीत अगरकर और भारतीय टीम प्रबंधन के नजरिए से इस फैसले को देखा जाए तो यह उतना विवादास्पद नहीं लगेगा जितना सोशल मीडिया इसे बना रहा है। ऐसे में सवाल यह उठते हैं कि क्या सरफराज टीम संयोजन की योजना में फिट नहीं बैठ रहे? न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिनर की अनुकूल पिच पर सरफराज की लगातार चार असफलताएं उनके बाहर होने का कारण बनीं। टेस्ट टीम में बल्लेबाजी क्रम में नंबर एक, दो और चार अब तय हो चुके हैं और नंबर पांच से आठ ऑलराउंडर से संबंधित हैं, ऐसे में एकमात्र स्थान नंबर तीन बचा है और शायद मुंबई के इस साहसी बल्लेबाज को आत्मविश्वास से लबरेज होकर एक नया स्थान आजमाने की जरूरत है।



ध्रुव विक्रम को स्टार किड होने का मिला फायदा

अभिनेता ध्रुव विक्रम हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म बाइसन के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 24 अक्तूबर को रिलीज होने वाले तेलुगु संस्करण के प्रचार के सिलसिले में, वे हैदराबाद में थे। अभिनेता विक्रम के बेटे ध्रुव ने स्टार किड होने के बारे में खुलकर बात की और इस किरदार को निभाने के लिए की गई मेहनत के बारे में बताया।

स्टार होने की वजह से मिले कई मौके

ध्रुव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया कि एक स्टार किड होने के नाते उन्हें कई मौके मिले हैं। वह इन मौकों का पूरा फायदा उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सच है कि मैं एक स्टार किड हूं और मुझे मौके मिलते रहते हैं। हालांकि मैं लोगों को स्वीकार करने, मुझे प्यार करने, मेरे काम को पसंद करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं तमिल, तेलुगु और भारतीय सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। इसके लिए मैं काम करता रहूंगा।
फिल्म बाइसन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, बाइसन के बारे में, मैं हमेशा सोचता था कि अगर मेरी जगह कोई ऐसा व्यक्ति होता जो फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आता, तो वह कितना कुछ करता? वह कितना काम करता? मैं इस बारे में और इस फिल्म के लिए मेहनत करता और तैयारी करता। मैंने इस फिल्म को अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की।

फिल्म के बारे में

फिल्म बाइसन का लेखन और निर्देशन मारी ने किया है। फिल्म में ध्रुव और अनुपमा के अलावा पशुपति, अमीर, लाल, राजिशा विजयन और अजगम पेरुमल ने अभिनय किया है। यह कबड्डी खिलाड़ी मनाथी गणेशन के जीवन पर आधारित है और एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो जाति-आधारित भेदभाव को मात देते हुए खेल में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।



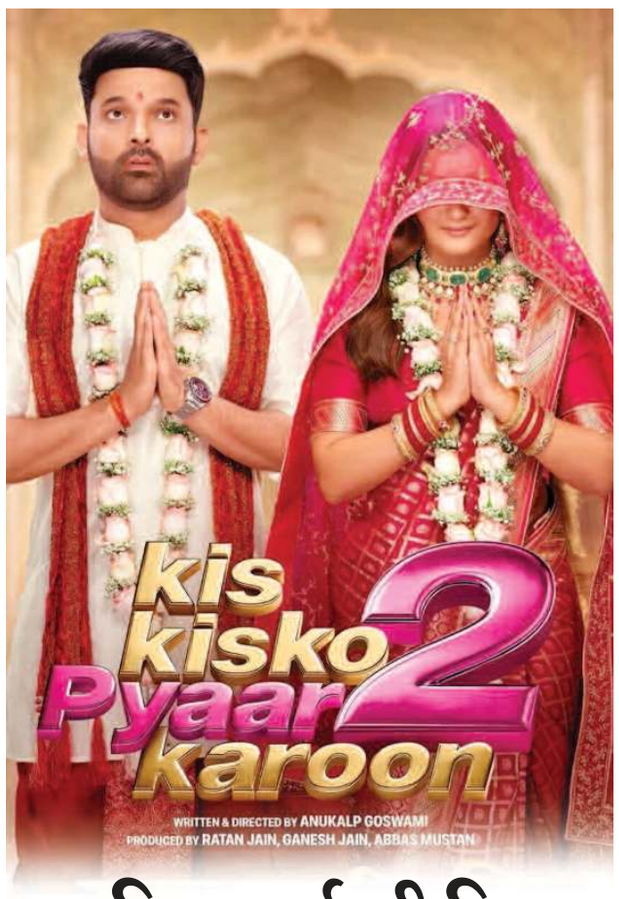
सिंगल मदर होना आसान नहीं

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है।वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं।
शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं।
उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंततः आपके पास आ ही जाएगा।
क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है। दृढ़ संकल्प के साथ आप सब कुछ संभाल सकते हैं और साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

चार्मर ने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की। सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा।
चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्रेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।





कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के रिलीज डेट का एलान

मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म।

कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।
रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं।

'किस किसको प्यार करूं 2' के बारे में

किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रिटिश शासन पर आधारित पीरियड ड्रामा होगी प्रभास की अगली फिल्म

प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। माना जा रहा है कि इसका टाइटल फौजी होगा। हालांकि नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है 1932 से मोस्ट वांटेड। ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवतः एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं।
इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकानाएं भी दी गई थीं। इससे पहले साझा किए गए पोस्टर में शिलालेख थे, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म में पौराणिक विषयों का समावेश होगा। खबरों के मुताबिक टाइटल की आधिकारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर होगी। खबर है कि मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म में इमानवी मुख्य भूमिका में होंगी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा जैसे कलाकार भी होंगे। संगीत विशाल चंद्रशेखर का है। फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज करने की योजना है।
इस बीच, प्रभास की जनवरी 2026 में एक बड़ी फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन मारुति ने किया है। यह हॉरर-कॉमेडी द राजा साब है, जिसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी हैं।





जीतू अगर मुझसे एक्टिंग सीखता, तो जरूर खराब करता

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर अरशद वारसी ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

मैंने सबसे पहले हमारे डायरेक्टर अक्षय शेरे से स्क्रिप्ट सुनी। कहानी मुझे काफी मजेदार और इंटेंस लगी। स्क्रीनप्ले और कॉन्सेप्ट बहुत मजबूत था। जिस तरह से कहानी बुनी गई थी, उसमें दिलचस्पी जागी। काफी वक्त बाद मुझे एक ऐसा रोल मिला जिसमें मैं ऑफिसर की वर्दी पहन रहा हूं। इससे पहले मैंने 'सहर' फिल्म में एसएसपी अजय कुमार का रोल निभाया था। मेरा बस चले तो ऐसी ही एक वर्दी घर में बनवाकर रख लूं और पहनकर काम पर जाऊं। यह रोल लाइट कॉमेडी और कॉमर्शियल स्पेस में है लेकिन साथ ही थोड़ा इंटेंस भी है।

अरशद, आपके किरदार के अंदर एक आंतरिक संघर्ष चलता है जो फिल्म में नजर आता है। क्या इसके लिए आपने कोई खास तैयारी की?

सच कहूं तो मैंने इसके लिए कोई अलग रिसर्च या खास तैयारी नहीं की। मैं क्यों झूठ बोलूं कि मैं तीन महीने वनवास में चला गया था। जब मैंने कहानी सुनी, तो बस 24 घंटे उस किरदार के बारे में सोचता रहा। फिर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर के साथ बातचीत होती रही कि वो मुझसे क्या चाहते हैं और मैं उस किरदार को कैसे जस्टिफाई करूं। उनसे इनपुट मिलते थे, जिसकी मदद से मैं अपने दिमाग में उस आदमी की एक छवि बना लेता था कि वो ऐसा होगा।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मेरा मानना है कि फिल्म किसी भी विषय पर हो, एक कलाकार को फिल्म के नजदीक रहना चाहिए। जो कहानी राइटर ने लिखी है, वही आपकी जानकारी होनी चाहिए। वरना आप फिल्म की सोच से भटक सकते हैं। साथ ही, हमारे राइटर और डायरेक्टर पहले से ही विषय पर गहरी रिसर्च कर चुके थे, तो मुझे अलग से रिसर्च की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

हर फिल्म किसी न किसी जज्बात को छूती है। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म में भी कुछ ऐसी बातें होंगी जो दर्शकों के दिल तक पहुंचेंगी। जो हालात हमने फिल्म में दिखाए हैं, वो उनके जेहन में रहें। लोग समझें कि हमने क्या दिखाने की कोशिश की है। और सबसे बड़ी बात, उन्हें यह महसूस हो कि उनका समय बेकार नहीं गया।

आप नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं। साथ में काम करते वक्त क्या आपने अपनी जर्नी के संघर्षों में कुछ समानता देखी?

मुझे तो लगता है कि हम दोनों ही बहुत रेगुलर लोग हैं, लेकिन बहुत टैलेंटेड हैं। जीतेंद्र बहुत अच्छा एक्टर है। अगर ऐसा नहीं होता तो फिल्म का सारा भार मुझ पर आ जाता और इसकी एक्टिंग भी मुझे ही करनी पड़ती। अगर कभी इसने मुझसे एक्टिंग सीख ली होती, तो शायद और भी खराब परफॉर्म करता।